हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, रविवार 14 जून 2026

तापमान
अधिकतम 38.0 डिग्री से.
न्यूनतम 19.0 डिग्री से.

शहर में आज

बिजली बाधितः सुबह 9 से 11 बजे तक 11 केवी तिलयार, आईजी कार्यालय, अस्पताल, बीएमयू ⏭ सुबह 8 से 10 बजे तक 11 केवी वीसी ऑफिस फीडर, पं. नेकी राम कॉलेज, सिविल सर्जन ऑफिस। ⏭ सुबह 7 से दोपहर 3 बजे तक 132केवी खोखरा कोट, बहु जमाल पुर, गद्दी खेड़ी, सिंहपुरा, निंदाना, हिसार रोड, मदीना

अब सीएम के दरबार में जाएगा 'कब्जे के सीएससी' का मामला

सत्ताधारी दल के एक नेता ने बांधे निगम अफसरों के हाथ

- भगत सिंह कॉम्प्लेक्स में चल रहे सीएससी सेंटर की जांच अधर में
- निगम आयुक्त के आदेश के बावजूद रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं
- कॉम्प्लेक्स से 9 साल में राजस्व क्यों नहीं, कौन करेगा भरपाई!

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

गोहाना अड्डा स्थित भगत सिंह कॉम्प्लेक्स में संचालित हो रहे कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) को लेकर उठे सवाल थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। नगर निगम आयुक्त द्वारा जांच के आदेश दिए जाने के बावजूद मामले की जांच अब तक पूरी नहीं हो सकी है। इससे व्यापारियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों में नाराजगी बढ़ गई है। उनका आरोप है कि सार्वजनिक संपत्ति के उपयोग और किराये से जुड़े महत्वपूर्ण सवालों का जवाब अभी तक नहीं मिला है। अब व्यापारियों और कुछ पार्षदों ने इस मामले की शिकायत सीधे मुख्यमंत्री से करने की तैयारी शुरू कर दी है। वहीं, सूत्रों का कहना है कि सत्तापक्ष के एक नेता ने निगम अफसरों के हाथ बांधे हुए हैं। जानकारी के अनुसार, एक पार्षद की शिकायत के बाद नगर निगम आयुक्त ने भगत सिंह कॉम्प्लेक्स में संचालित सीएससी सेंटर की जांच के आदेश दिए थे। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि जिस परिसर का निर्माण व्यापारियों को दुकानें उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया गया था, वहां बिना किसी सार्वजनिक बोली प्रक्रिया के सीएससी सेंटर संचालित किया जा रहा है। जिसमें बिजली का भी ज्यादा प्रयोग किया जा रहा है। जांच के आदेश हुए कई दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक कोई स्पष्ट रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की गई है।

रोहतक। भगत सिंह कॉम्प्लेक्स में संचालित हो रहे कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी)।

व्यापारियों के लिए बनाया गया था कॉम्प्लेक्स

व्यापारियों का कहना है कि भगत सिंह कॉम्प्लेक्स का निर्माण करोड़ों रुपये की लागत से किया गया था और वर्ष 2017 में इसका उद्घाटन हुआ था। इसका मूल उद्देश्य शहर के व्यापारियों को व्यवस्थित तरीके से दुकानें उपलब्ध कराना था। इसके बावजूद आज तक कॉम्प्लेक्स की दुकानों की नियमित बोली नहीं करवाई गई। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब दुकानों के आवंटन की प्रक्रिया पूरी नहीं हुई तो फिर सीएससी सेंटर को वहां संचालन की अनुमति किस आधार पर दी गई।

50 हजार रुपये मासिक किराया जमा करवाए सीएससी

कॉम्प्लेक्स की मौजूदा बाजार कीमत के अनुसार संबंधित स्थान का किराया करीब 50 हजार रुपये प्रतिमाह बनता है। शिकायतकर्ता का कहना है कि यदि नगर निगम ने विधिवत प्रक्रिया के तहत इसे किराये पर दिया होता तो निगम को नियमित राजस्व प्राप्त हो सकता था। यदि सेंटर व्यावसायिक गतिविधियां संचालित कर रहा है तो उसके संचालन की शर्तें और किराया निर्धारण की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी होनी चाहिए। इसके लिए 50 हजार किराया मासिक जमा करवाना चाहिए।

नगर निगम की आंखों पर पर्दा अतिक्रमण हटाने वालों की दुकान पर ही हो गया कब्जा

हरिभूमि में प्रकाशित खबर

जांच में देरी पर पार्षदों ने उठाए सवाल

दूसरी ओर, कुछ पार्षदों का कहना है कि जांच के आदेश केवल औपचारिकता बनकर रह गए हैं। उनका आरोप है कि मामले की निष्पक्ष जांच नहीं होने से संदेह और बढ़ रहा है। पार्षदों ने मांग की है कि जांच रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए और यह स्पष्ट किया जाए कि सीएससी सेंटर को परिसर में स्थान देने की अनुमति किस अधिकारी ने और किन नियमों के तहत प्रदान की।

सवालों का देना होगा जवाब

- 2017 में उद्घाटन के बाद भी दुकानों की नियमित बोली क्यों नहीं हुई?
- बिना सार्वजनिक बोली के सीएससी सेंटर को स्थान कैसे आवंटित किया गया?
- नगर निगम को इस स्थान से कितना किराया या राजस्व प्राप्त हो रहा है?
- जांच के आदेश के बावजूद रिपोर्ट सार्वजनिक क्यों नहीं की गई?
- क्या निगम संपत्तियों के उपयोग में निर्धारित नियमों का पालन किया गया?

पीजीआईएमएस के मनोरोग विभाग के वरिष्ठ प्रो. निलंबित

- प्रोफेसर पर कर्तव्य में लापरवाही और संस्थान के हितों के खिलाफ कार्य करने के गंभीर आरोप

रोहतक। पंडित भगवत दयाल शर्मा पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पीजीआईएमएस) के मनोरोग विभाग के एक वरिष्ठ प्रोफेसर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई राज्य मानसिक स्वास्थ्य संस्थान से जुड़े एक मामले के चलते अनुशासनात्मक कार्रवाई लंबित रहने तक की गई है। पीजीआईएमएस निदेशक के आदेश में कहा गया है कि प्रोफेसर पर कर्तव्य में लापरवाही और संस्थान के हितों के खिलाफ कार्य करने के गंभीर आरोप हैं। प्रारंभिक जांच और उपलब्ध रिकॉर्ड के आधार पर उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू करने के लिए पर्याप्त आधार पाए गए हैं। प्रशासन का मानना है कि पद पर रहते हुए वे जांच की निष्पक्षता को प्रभावित कर सकते हैं। निलंबन अवधि में उन्हें नियमों के अनुसार जीवन-निर्वाह भत्ता मिलेगा और उन्हें रोहतक मुख्यालय में रहने के निर्देश दिए गए हैं।

निगम आयुक्त ने बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश

गंदगी फैलाने व गोबर बहाने वाली डेयरियों पर होगी सख्ती

- सार्वजनिक स्थान, सड़क, पार्क, गलियों व नालियों में गंदगी फैलाने वालों के होंगे चालान
- नियमों का उल्लंघन करने वाली डेयरियों को सील करने की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी
- बैठक में मानसून से पहले जल निकासी संबंधी तैयारियों पर हुई विस्तृत चर्चा

बरसात से पहले नालों की सफाई और जलभराव रोकने की तैयारियों की समीक्षा की

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रोहतक

रोहतक। अधिकारियों की मीटिंग लेते नगर निगम आयुक्त नरेंद्र कुमार। फोटो : हरिभूमि

शहर को स्वच्छ, सुंदर और नागरिकों के लिए बेहतर बनाने के उद्देश्य से नगर निगम ने गंदगी फैलाने वालों तथा नालों-सीवरों में गोबर बहाने वाली डेयरियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्णय लिया है। नगर निगम आयुक्त नरेंद्र कुमार ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सार्वजनिक स्थानों, सड़कों, गलियों और नालियों में गंदगी फैलाने वालों के चालान किए जाएं तथा नियमों की लगातार अवहेलना करने वाली डेयरियों को सील करने की कार्रवाई भी अमल में लाई जाए।

नगर निगम कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में सफाई व्यवस्था, नालों की सफाई और आगामी बरसात के मौसम में जल निकासी संबंधी तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए आयुक्त नरेंद्र कुमार ने कहा कि अक्सर देखने में आता है कि कुछ लोग सार्वजनिक स्थलों पर कचरा और गोबर डाल देते हैं, जिससे न केवल शहर की स्वच्छता प्रभावित होती है बल्कि आमजन के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। ऐसी गतिविधियों को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने विशेष रूप से डेयरी संचालकों को चेतावनी देते हुए कहा कि नालों और सीवर लाइनों में गोबर बहाने से सीवर जाम, दुर्गंध और पर्यावरण प्रदूषण जैसी गंभीर समस्याएं पैदा होती हैं। इसलिए ऐसे डेयरी संचालकों के खिलाफ चालान किए जाएंगे और बार-बार नियम तोड़ने पर उनकी डेयरी सील कर दी जाएगी।

सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फैलाने से लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ता है प्रतिकूल प्रभाव

नालों की सफाई पर विशेष निगरानी के आदेश

बैठक में बरसात से पहले नालों की सफाई सुनिश्चित करने और जलभराव वाले संवेदनशील बिंदुओं पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश भी दिए गए। निगम आयुक्त ने बताया कि जलभराव संभावित क्षेत्रों की पहचान कर ली गई है और संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी भी जल्द तय कर दी जाएगी। बरसात के दौरान नगर निगम की टीमें 24 घंटे कार्य करने के लिए तैयार रहेंगी ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

ये रहे उपस्थित

बैठक में संयुक्त आयुक्त नमिता कुमारी व मंजीत सिंह, सहायक अभियंता सत्यव्रत, शांत सुहाग, मंदीप, सुनील शर्मा, मुख्य सफाई निरीक्षक सुधीर कुमार व सचिन, कनिष्ठ अभियंता सूर्या धनखड़ व नीरज, सफाई निरीक्षक रमेश कुमार, सहायक सफाई निरीक्षक नरेन्द्र, परमजीत, कृष्ण लाल, सुमित फोगाट, प्रदीप कुमार, संदीप राठी, सुशील आदि उपस्थित रहे।

हरिभूमि मेरा शहर मेरी समस्या सेक्टर-2 पहल

शिकायतों के बावजूद नहीं हो रही कार्रवाई

सेक्टर-2 एक्सटेंशन में धंसी मुख्य सड़क, सीवर रिसाव से बढ़ी चिंता

चार साल से अधर में लटका परियोजना का काम, चार ठेकेदार बदले, हजारों लोगों को हो रही परेशानी

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रोहतक

सेक्टर-2 एक्सटेंशन की मुख्य सड़क पर नई सीवर लाइन के मेनहोल में रिसाव के कारण सड़क अचानक धंसने का मामला सामने आया है। सड़क गोलाकार आकार में नीचे बैठ गई है, जिससे क्षेत्र के निवासियों में हादसे की आशंका बढ़ गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस सीवर लाइन को आधुनिक व्यवस्था के तहत तैयार किया गया था, वही अब लगातार परेशानी का कारण बन रही है।

सेक्टर-2 एक्सटेंशन आरडब्ल्यूए के प्रधान सुखबीर माथुर ने बताया कि यह समस्या कोई नई नहीं है। पिछले करीब चार वर्षों से सीवर लाइन से जुड़ी खामियों का स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। कई बार शिकायतें किए जाने के बावजूद हालात जस के तस बने हुए हैं। अब मेनहोल में रिसाव के कारण सड़क का धंसना यह साबित करता है कि निर्माण कार्य में कहीं न कहीं गंभीर तकनीकी खामियां मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि इस परियोजना को पूरा करने के लिए अब तक चार ठेकेदार बदले जा चुके हैं, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो पाया। मामला मुख्यमंत्री तक पहुंच चुका है और जिला लोक शिकायत एवं कष्ट निवारण समिति (ग्रीवेंस कमेटी) की बैठक में भी कई बार उठाया गया है। इसके बावजूद जिम्मेदार एजेंसियां स्थायी समाधान देने में सफल नहीं हुई हैं।

पहले खोदी गई मिट्टी की परत अभी तक सड़क पर जमी

स्थानीय निवासियों का कहना है कि सड़क धंसने से वाहन चालकों और पैदल राहगीरों के लिए खतरा बढ़ गया है। यदि समय रहते मरम्मत नहीं करवाई गई तो बड़ा हादसा भी हो सकता है। सड़क पर पहले खोदी गई सड़क की मिट्टी अभी तक भी पड़ी हुई है। क्षेत्र में हजारों लोगों की आबादी रहती है और यह सड़क उनकी आवाजाही का प्रमुख मार्ग है। ऐसे में सड़क की खराब स्थिति का सीधा असर रोजमर्रा की जिंदगी पर पड़ रहा है। आरडब्ल्यूए प्रधान सुखबीर माथुर के अनुसार सीवर लाइन की खामियों के कारण पहले ही क्षेत्र को काफी नुकसान झेलना पड़ा है। बार-बार मरम्मत और अधूरे कार्यों के चलते लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। अब सड़क धंसने की घटना ने समस्या को और गंभीर बना दिया।

सड़क धंसने से हादसे का खतरा और बढ़ा

पिछले कई वर्षों से सीवर लाइन की समस्या झेल रहे हैं। बार-बार सड़क खोदी जाती है, लेकिन स्थायी समाधान नहीं किया जाता। अब सड़क धंसने से हादसे का खतरा और बढ़ गया है। प्रशासन को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। — जागृति

समाधान केवल मरम्मत नहीं बल्कि पूरी लाइन की जांच

मुख्य सड़क पर रोजाना बच्चों और बुजुर्गों का आना-जाना रहता है। सड़क धंसने के कारण हर समय डर बना रहता है कि कहीं कोई दुर्घटना न हो जाए। समस्या का समाधान केवल मरम्मत नहीं, बल्कि पूरी लाइन की जांच करके किया जाना चाहिए। -सुबेदार सूरत

दोपहिया वाहन चालकों के लिए सबसे ज्यादा परेशानी

सड़क पर पहले से ही खोदी गई मिट्टी पड़ी हुई है और अब बीच सड़क धंस गई है। रात के समय यह और खतरनाक हो जाता है। दोपहिया वाहन चालकों के लिए सबसे ज्यादा परेशानी है। यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं किया गया तो दिक्कतें और बढ़ेंगी। -सुशीला देवी

मेरा शहर, मेरी समस्या कॉलम के जरिये आप भी रखें अपनी बात। अगर सेक्टर, गली-मोहल्ला, वार्ड, गांव और आसपास हैं समस्याओं से परेशान तो इस नंबर 9253681012 पर करें व्हाट्सएप। हम उठाएंगे आपका मुद्दा।

आधुनिक दौर में विलुप्त हो रही लोक संस्कृति, सहजने की आवश्कता : जोशी

रोहतक। हरियाणा कला परिषद, कुरुक्षेत्र के सौजन्य से रोहतक के गांव लाखनमाजरा में आयोजित दो दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का शनिवार को सफलतापूर्वक समापन हो गया। कार्यक्रम में सांग, रागनी और लोक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से हरियाणवी संस्कृति, परंपराओं और सामाजिक मूल्यों को जीवंत रूप से प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के दौरान गांव लाखन माजरा की सरपंच एवं पंचायत के सदस्यों ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। सरपंच ने अपने संबोधन में कलाकारों के प्रयासों की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया और कहा कि ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। कार्यक्रम के पहले दिन आयोजित रागनी संध्या में हरियाणा कला परिषद के वाइस चेयरमैन महेश जोशी ने विशेष रूप से भाग लिया। उन्होंने अपने संबोधन में जन्म से लेकर जीवन के विभिन्न महत्वपूर्ण पड़ावों जैसे छठी, जन्मदिन, विवाह तथा अन्य सामाजिक अवसरों पर आयोजित होने वाले पारंपरिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आधुनिकता के दौर में हमारी लोक संस्कृति धीरे-धीरे विलुप्त होती जा रही है, जिसे सहेजने और नई पीढ़ी तक पहुंचाने की आवश्यकता है।

पालिका बाजार व महावीर पार्क में लोगों को नुक्कड़ नाटक से दिया स्वच्छता का संदेश

- गंदगी फैलाने व प्रतिबंधित प्लास्टिक बेचने वालों के 21 चालान, 15,100 का जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रोहतक

रोहतक। पार्क में नुक्कड़ नाटक दिखाते नगर निगम की टीम। फोटो : हरिभूमि

शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता के चार रंग, हरियाणा के संग अभियान के तहत पालिका बाजार और महावीर पार्क में नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस दौरान नागरिकों को स्वच्छता अपनाने, कूड़े को अलग-अलग एकत्रित करने तथा सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न करने के लिए जागरूक किया गया।

नगर निगम आयुक्त नरेंद्र कुमार ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों को घर और संस्थान स्तर पर ही गीले और सूखे कचरे के साथ-साथ घरेलू खतरनाक कचरे एवं सैनिटरी अपशिष्ट को अलग-अलग रखने के प्रति जागरूक करना है। नुक्कड़ नाटक के कलाकारों ने मनोरंजक और प्रभावशाली प्रस्तुति के माध्यम से स्वच्छता का संदेश दिया तथा निर्धारित डस्टबिनों के उपयोग और सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी न फैलाने की अपील की। कार्यक्रम में कलाकारों ने प्लास्टिक कचरे से होने वाले पर्यावरणीय नुकसान और कचरे के उचित प्रबंधन के लाभों को सरल भाषा में समझाया। बाजार के व्यापारियों, राहगीरों और स्थानीय नागरिकों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया। निरीक्षण में लोगों को साफ-सफाई बनाए रखने, कूड़ा निर्धारित स्थान पर डालने के लिए भी प्रेरित किया गया।

सख्त कार्रवाई जारी

निगम केवल जागरूकता कार्यक्रमों तक सीमित नहीं है, बल्कि नियमों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई भी की जा रही है। इसी क्रम में निगम की टीमों ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में निरीक्षण अभियान चलाया। निरीक्षण के दौरान सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने और प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 21 चालान किए गए, जिनसे 15,100 रुपये का जुर्माना वसूला गया।

28 से 30 जून तक जिले में चलाया जाएगा पल्स पोलियो अभियान: डीसी

रोहतक। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने जिलावासियों का आह्वान करते हुए कहा कि वे अपने 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को 28 से 30 जून तक राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत दो बूंद दवा पिलाकर इस बीमारी पर अपनी जीत को बरकरार रखें। नेशनल पल्स पोलियो अभियान के तहत लक्षित आयु वर्ग के लगभग एक लाख 12 हजार बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जायेगी। गत वर्ष 2024 में मार्च माह में इस अभियान के तहत एक लाख 19 हजार 135 बच्चो को पोलियो की दवा पिलाई गई थी। सचिन गुप्ता स्थानीय कैंप कार्यालय में स्वास्थ्य विभाग की मासिक समीक्षा बैठक के दौरान पल्स पोलियो अभियान की तैयारियों बारे आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि तीन दिवसीय अभियान के दौरान 28 जून को पोलियो बूथ पर लक्षित आयु वर्ग अर्थात शून्य से 5 वर्ष के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जायेगी। किसी कारणवश पोलियो बूथ पर दवाई पीने से वंचित रहे बच्चों को 29 व 30 जून को घर-घर जाकर पोलियो की दवा पिलाई जायेगी। उन्होंने बताया कि पोलियो एक संक्रामक रोग है, जो पोलियो विषाणु से मुख्यतः छोटे बच्चों में होता है। यह बीमारी बच्चे के किसी भी अंग को जिन्दगी भर के लिये कमजोर कर देती है।

बारिश से रेडियो स्टेशन और पालिका बाजार में जमा हुआ पानी

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रोहतक

रोहतक। पालिका बाजार के पास गली में भरा पानी तथा रेडियो स्टेशन के पास जलभराव। फोटो : हरिभूमि

बारिश के बाद शहर के कई क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति पैदा हो गई। विशेष रूप से रेडियो स्टेशन क्षेत्र और पालिका बाजार में सड़कों पर पानी जमा होने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सुबह बाजार खुलने के समय दुकानदारों और राहगीरों को जलभराव के कारण आवागमन में दिक्कतें आईं। कई स्थानों पर पानी सड़क के दोनों ओर जमा होने से वाहन चालकों को भी परेशानी हुई। पालिका बाजार में खरीदारी के लिए आने वाले लोगों को पानी से होकर गुजरना पड़ा, जबकि रेडियो स्टेशन क्षेत्र में भी सड़क पर जलभराव के कारण यातायात प्रभावित रहा। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर बारिश के दौरान इन क्षेत्रों में जल निकासी की समस्या सामने आती है। उन्होंने संबंधित विभाग से जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने की मांग की है ताकि बरसात के मौसम में लोगों को बार-बार ऐसी समस्याओं का सामना न करना पड़े।

सीएम विंडो की शिकायतों का शीघ्र समाधान करें अधिकारी

रोहतक। हरियाणा के शहरी स्थानीय निकाय आयुक्त अशोक कुमार मीणा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सीएम विंडो पोर्टल पर लंबित शिकायतों के निपटारे की समीक्षा की। बैठक के बाद, उपायुक्त ने कहा कि सभी अधिकारी सीएम विंडो पोर्टल को पूरी गंभीरता से लें और इसका नियमित अवलोकन करें। बैठक में सहायक आयुक्त (प्रशिक्षु) विशाल सिंह, नगर निगम के संयुक्त आयुक्त मनजीत सिंह और विभिन्न विभागों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

टीडीएस और कैपिटल गेन पर नए प्रावधानों पर अधिकारियों को दी जानकारी

रोहतक। इनकम टैक्स बार एसोसिएशन द्वारा इनकम टैक्स बार रूम में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में न्यू इनकम टैक्स एक्ट 2025 के तहत टीडीएस और कैपिटल गेन से संबंधित नए प्रावधानों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में दिल्ली से आमंत्रित कर विशेषज्ञ मनोज मित्तल ने सदस्यों को नए कानून की महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। उन्होंने बताया कि नए आयकर विधेयक के लागू होने के साथ कई नए प्रावधान प्रभावी हो गए हैं तथा आयकर अधिनियम 1961 के अनेक प्रावधानों को नए कानून में समाहित किया गया है। उन्होंने नए सेक्शन, फॉर्म और टीडीएस संबंधी बदलावों की विस्तार से जानकारी दी।

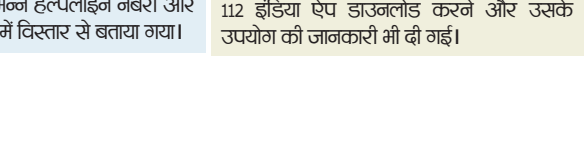

पीएम मोदी के 12 वर्षों के कार्यकाल में देश विकास व सुशासन के पथ पर अग्रसर : ग्रोवर

रोहतक। प्रदेश के पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष ग्रोवर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि इन वर्षों में भारत ने विकास, सुशासन, राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक कल्याण और वैश्विक प्रतिष्ठा के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। देश की जनता ने वर्ष 2014 में राजनीतिक अस्थिरता और भ्रष्टाचार से मुक्ति दिलाने के लिए नरेंद्र मोदी को नेतृत्व का अवसर दिया था और पिछले 12 वर्षों में नए भारत की मजबूत नींव रखी गई है। वर्तमान केंद्र सरकार के सत्ता में 12 वर्ष पूर्ण करने के उपलक्ष्य में प्रदेशभर में चलाये जा रहे व्यापक प्रचार अभियान के तहत भाजपा नेताओं ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि भारत-2047 के लक्ष्य की दिशा में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है तथा आने वाले वर्षों में भारत विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में और अधिक मजबूत स्थान प्राप्त करेगा। इस अवसर पर उनके साथ भाजपा के जिला अध्यक्ष एडवोकेट रणवीर सिंह ढाका, मार्केट कमेटी के चेयरमैन अशोक चौधरी, सांपला मार्केट कमेटी के चेयरमैन उदयभान मलिक, विकास बंसल एवं कुलविंदर सिक्का एवं संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर ने कहा कि केंद्र सरकार ने गरीब कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। जनधन योजना के माध्यम से करोड़ों लोगों के बैंक खाते खोले गए, जिससे सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे लाभार्थियों के खातों में पहुंच रहा है।

अभियान शहर के पार्कों, बाजारों व सार्वजनिक स्थानों पर मनचलों के खिलाफ चलाया जाएगा अभियान

महिलाओं की सुरक्षा में सादे कपड़ों में सड़कों पर उतरी पुलिस

- पार्कों और सार्वजनिक स्थानों पर मनचलों की लगाई क्लास

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रोहतक

महिलाओं और युवतियों की सुरक्षा को लेकर पुलिस अब पूरी तरह एक्शन मोड में नजर आ रही है। शहर के पार्कों, बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं को परेशान करने वाले मनचलों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में पुलिस अधीक्षक गौरव राजपुरोहित के निर्देश पर पुलिस ने सादे कपड़ों में पैदल गश्त कर कई संदिग्ध युवकों को काबू कर उनसे पूछताछ की।

सार्वजनिक स्थलों पर निगरानी रखी

पुलिस टीम ने शहर के विभिन्न पार्कों, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों और सार्वजनिक स्थलों पर निगरानी रखी। इस दौरान ऐसे युवकों की पहचान की गई जो बिना किसी उचित कारण के घंटों तक घूमते हुए पाए गए या महिलाओं और युवतियों के आसपास संदिग्ध गतिविधियां करते नजर आए। पुलिस ने उन्हें मौके पर रोककर पूछताछ की और उनकी पहचान सत्यापित की।

पकड़े गए मनचलों के परिजनों को दी जानकारी

अभियान के दौरान पकड़े गए युवकों को कड़ी चेतावनी दी गई। कई मामलों में उनके परिजनों को मौके पर बुलाकर पूरी जानकारी दी गई और भविष्य में किसी भी प्रकार की शिकायत मिलने पर सख्त कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि महिलाओं की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों के प्रति किसी प्रकार की नरमी नहीं बरती जाएगी।

ऐसा चला विशेष अभियान

- शहर के पार्कों और सार्वजनिक स्थानों पर की गई पैदल गश्त
- सादे कपड़ों में पुलिसकर्मियों ने रखी निगरानी
- संदिग्ध युवकों से की गई पूछताछ
- परिजनों को बुलाकर दी गई सख्त हिदायत
- महिलाओं और युवतियों को सुरक्षा संबंधी जानकारी दी गई
- महिला हेल्पलाइन और 112 इंडिया ऐप के बारे में किया जागरूक

मुश्किल में ये कदम उठाएं

- किसी भी आपात स्थिति में तुरंत 112 पर कॉल करें।
- 112 इंडिया ऐप अपने मोबाइल में डाउनलोड रखें।
- अनजान व्यक्ति की हरकत संदिग्ध लगे तो तुरंत परिवार और पुलिस को सूचित करें।
- सोशल मीडिया पर व्यक्तिगत जानकारी साझा करने में सावधानी बरतें।
- छेड़छाड़ या पीछा करने की घटना को नजरअंदाज न करें।

अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा

शहर पुलिस का कहना है कि यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। स्कूलों, कॉलेजों, कोचिंग सेंटरों, पार्कों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। पुलिस का उद्देश्य केवल कार्रवाई करना ही नहीं बल्कि समाज में सुरक्षा और विश्वास का माहौल तैयार करना भी है। पुलिस अधिकारियों ने आमजन से भी अपील की है कि यदि किसी क्षेत्र में महिलाओं या युवतियों के साथ अभद्र व्यवहार, छेड़छाड़ या संदिग्ध गतिविधियां दिखाई दें तो तुरंत पुलिस को सूचना दें। नागरिकों के सहयोग से ही अपराध और असामाजिक तत्वों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है।

गौरव राजपुरोहित

कानूनी अधिकारों की दी जानकारी

अभियान का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू जागरूकता रहा। पुलिस टीम ने पार्कों और सार्वजनिक स्थानों पर मौजूद महिलाओं एवं युवतियों से संवाद कर उन्हें उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी दी। महिला सुरक्षा के लिए उपलब्ध विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों और सुविधाओं के बारे में विस्तार से बताया गया।

तुरंत शिकायत करें

पुलिस ने महिलाओं को बताया कि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, पीछा करने, अभद्र टिप्पणी करने या सोशल मीडिया के माध्यम से परेशान करने की घटनाओं की तुरंत शिकायत करें। ऐसे मामलों में पुलिस तत्काल कार्रवाई करती है। महिलाओं को 112 इंडिया ऐप डाउनलोड करने और उसके उपयोग की जानकारी भी दी गई।

डी-पार्क अग्निकांड के बाद सहमे व्यापारी: आग लगी तो बुझाएंगे कैसे, दमकल विभाग से प्रशिक्षण की मांग तेज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

डी-पार्क क्षेत्र में हाल ही में हुई आगजनी की घटना ने शहर के व्यापारियों को झकझोर कर रख दिया है। बाजारों में अब सिर्फ कारोबार की नहीं, बल्कि सुरक्षा की भी चर्चा हो रही है।

सिटी पल्स

दुकानदारों का कहना है कि अधिकांश दुकानों में अग्निशामन यंत्र तो लगाए गए हैं, लेकिन उन्हें चलाने की सही जानकारी नहीं है। ऐसे में यदि बाजार में कहीं आग लग जाए तो शुरुआती मिनटों में उसे नियंत्रित करना मुश्किल हो सकता है। डी-पार्क की घटना के बाद शहर के प्रमुख बाजारों के व्यापारी नेताओं ने दमकल विभाग से विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने की मांग उठाई है। उनका कहना है कि आग लगने के बाद दमकल की गाड़ियां पहुंचने में कुछ समय लग जाता है। यदि दुकानदारों को शुरुआती स्तर पर आग बुझाने का प्रशिक्षण दिया जाए तो बड़े नुकसान को रोका जा सकता है। व्यापारियों का मानना है कि बाजारों में सुरक्षा के इंतजाम केवल कागजों तक सीमित नहीं रहने चाहिए, बल्कि दुकानदारों को व्यावहारिक प्रशिक्षण भी मिलना चाहिए। इससे आपात स्थिति में घबराहट कम होगी और जान-माल का नुकसान भी घटेगा।

दुकानदारों को नहीं आता अग्निशमन यंत्र चलाना

व्यापारी संगठनों का कहना है कि बाजारों में बड़ी संख्या में दुकानों पर फायर एक्सटिंग्विशर लगे हुए हैं, लेकिन अधिकांश दुकानदारों और कर्मचारियों को यह नहीं पता कि आपात स्थिति में इन्हें किस प्रकार इस्तेमाल किया जाता है। कई बार उपकरण समय पर काम नहीं करते या फिर उन्हें चलाने का तरीका ही मालूम नहीं होता। ऐसे में छोटी आग भी कुछ ही मिनटों में विकराल रूप ले सकती है।

हम ट्रेनिंग देने के लिए तैयार

हम ट्रेनिंग देने के लिए तैयार है। यहीं नहीं हम स्कूलों व विश्वविद्यालयों में भी बच्चों को ट्रेनिंग देने के लिए जाते है। महीने में 10 से 12 विजिट हो जाती है। ऐसे में अगर मार्केट एसोसिएशन हमें ट्रैनिंग देने के लिए कहे तो हम तैयार है उन्हें ट्रैनिंग देने के लिए। हमारी तरफ से कोई मनाही नहीं है।

-उत्कृष, फायर आफिसर, फायर ब्रिगेड

अपने स्तर पर सुरक्षा के इंतजाम किए

हम पिछले करीब तीन वर्षों से प्रशासन और दमकल विभाग से भिवानी स्टैंड व मॉडल टाउन जैसे व्यस्त बाजारों में स्थायी रूप से दमकल विभाग की गाड़ी तैनात करने की मांग कर रहे है, लेकिन अभी तक इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। इन बाजारों में रोजाना हजारों लोग खरीदारी के लिए आते हैं और सैकड़ों दुकानें संचालित होती हैं। ऐसे में आग लगने की स्थिति में कुछ मिनटों की देरी भी बड़े नुकसान का कारण बन सकती है। व्यापारियों ने अपने स्तर पर सुरक्षा के इंतजाम किए हैं। बाजार की दुकानों पर आग बुझाने के लिए करीब 100 अग्निशामन सिलेंडर लगाए गए हैं, ताकि शुरुआती स्तर पर आग पर काबू पाया जा सके। लेकिन केवल उपकरण होना ही पर्याप्त नहीं है। -गुलशन इशपुनियानी, शौरी मॉर्केट प्रधान

दमकल वाहन तैनात करने की मांग

प्रमुख बाजारों में छोटी दमकल गाड़ियों या त्वरित प्रतिक्रिया वाहनों की व्यवस्था की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में बड़ी गाड़ियों का पहुंचना आसान नहीं होता। यदि बाजारों के आसपास छोटी फायर यूनिट उपलब्ध रहे तो आग पर शुरुआती चरण में ही काबू पाया जा सकता है। -सतीश अग्रवाल, व्यापारी

सुरक्षा को लेकर जागरूकता जरूरी

आग से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका जागरूकता है। समय-समय पर वायरिंग की जांच, ओवरलोड बिजली कनेक्शन से बचाव, अग्निशामन यंत्रों की सर्विसिंग और कर्मचारियों का प्रशिक्षण कई बड़ी घटनाओं को रोक सकता है।

-सुरेश सिंघल, व्यापारी

डी-पार्क अग्निकांड के बाद वीरेंद्र शर्मा ने की अपील

सुरक्षा उपाय अपनाकर रोकें ऐसी घटनाएं

वीरेंद्र शर्मा

- दुकानों में अग्निशमन यंत्र रखें, एसी कंप्रेसर सुरक्षित स्थान पर लगवाने की सलाह

रोहतक। डी-पार्क क्षेत्र में दो दिन पूर्व हुए भीषण अग्निकांड के बाद हरियाणा स्टेट पेंशनर समाज के प्रदेशाध्यक्ष, जिलाध्यक्ष एवं राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं भ्रष्टाचार उन्मूलन ब्यूरो के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य वीरेंद्र शर्मा ने व्यापारियों और आम नागरिकों से सुरक्षा संबंधी सावधानियां बरतने की अपील की है। वीरेंद्र शर्मा ने कहा कि डी-पार्क क्षेत्र में एसी कंप्रेसर फटने से लगी भीषण आग में लगभग 12 दुकानें जलकर राख हो गईं तथा तीन लोगों की दर्दनाक मृत्यु हो गई। उन्होंने दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने दुकानदारों से आग्रह किया कि वे अपने प्रतिष्ठानों में लगे एसी के कंप्रेसरों को यथासंभव दुकान के बाहर एवं सुरक्षित स्थान पर स्थापित करवाएं तथा उसके आसपास किसी भी प्रकार की ज्वलनशील सामग्री न रखें। इससे आग लगने की स्थिति में नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है। वीरेंद्र शर्मा ने सभी व्यापारियों से अपने प्रतिष्ठानों में अग्निशमन यंत्र (फायर एक्सटिंग्विशर) रखने तथा समय-समय पर उनकी जांच कराने का भी आह्वान किया। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि आग जैसी आपात स्थिति में फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को तत्काल रास्ता दें और घटनास्थल पर अनावश्यक भीड़ एकत्रित न करें, ताकि राहत एवं बचाव कार्य सुचारू रूप से संचालित हो सके।

खबर संक्षेप

खेड़ी महम में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आज

महम। खेड़ी महम के शिवानंद धर्मार्थ चिकित्सालय में रविवार सुबह 10 बजे निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया जाएगा। इस शिविर में रोहतक पीजीआई के डॉक्टरों की टीम मरीजों के स्वास्थ्य की जांच करेंगे। शिवानंद धर्मार्थ चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सक कृष्ण कुमार लांबा ने बताया कि इस दौरान थायराइड, शुगर व ग्रंथी संबंधित बीमारियों की जांच की जाएगी। मरीजों की जांच भी निशुल्क की जाएगी और दवाइयां भी फ्री दी जाएंगी।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं की हलका स्तरीय बैठक आज

महम। रविवार 14 जून को महम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की एक हलका स्तरीय बैठक आयोजित की जाएगी। एसआईआर को लेकर होने वाली यह बैठक सुबह दस बजे कांग्रेस कार्यालय में शुरू होगी। विधायक बलराम दांगी ने सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं से बैठक में भाग लेने की अपील की है।

महम के मुख्य बाजार में फायर विभाग की मॉक ड्रिल करवाने की मांग

महम। महम के मुख्य बाजार में बढ़ते अतिक्रमण और संकरे होते रास्तों के कारण आपातकालीन परिस्थितियों में दमकल वाहनों की आवाजाही को लेकर चिंता बढ़ती जा रही है। इसी विषय को गंभीरता से उठाते हुए सामाजिक कार्यकर्ता राकेश भारद्वाज ने रोहतक उपायुक्त को ई-मेल भेजकर महम मुख्य बाजार में फायर विभाग की मॉक ड्रिल आयोजित करवाने तथा सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करने की मांग की है। पत्र में उन्होंने कहा कि एक समय था जब मुख्य बाजार से बसें आसानी से निकल जाती थीं, लेकिन वर्तमान में कई स्थानों पर रिक्शा तक निकालना मुश्किल हो गया है। महम व आसपास के क्षेत्रों में आग लगने की घटनाओं को देखते हुए यह आवश्यक हो गया है कि फायर ब्रिगेड विभाग वास्तविक परिस्थितियों का परीक्षण करे। राकेश भारद्वाज ने प्रशासन को कुछ बिंदु सुझाए हैं, जिन पर काम करने की जरूरत है। कहा है कि क्या फायर ब्रिगेड का वाहन बाजार के अंदर आसानी से जा सकता है। किन स्थानों पर अतिक्रमण या अन्य बाधाएं मौजूद हैं। आपदा में राहत एवं बचाव कार्य में कितना समय लगेगा।

किडनेपरों और पुलिस के बीच मुठभेड़, दो बदमाश काबू, वारदात में रोहतक की महिला शामिल

पुलिस ने घेरा तो मासूम को चलती कार से फेंका, दो बदमाशों को गोली मार पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पानीपत से अगवा किए गए 12 वर्षीय बच्चे को लेकर भाग रहे बदमाशों की कहानी शनिवार सुबह रोहतक के गांव किलोई में आकर खत्म हो गई। पुलिस की घेराबंदी में फंसे किडनैपरों ने पहले मासूम को चलती कार से नीचे फेंका और फिर बचने के लिए गोलियां बरसा दीं। जवाब में पुलिस ने भी मोर्चा संभाला। कुछ ही मिनटों में हुई मुठभेड़ में दो बदमाशों के पैरों में गोली लगी और उन्हें दबोच लिया गया, जबकि उनकी महिला साथी भी पुलिस के हत्थे चढ़ गई। महज 11 घंटे के भीतर बच्चे की सकुशल बरामदगी और अपहरण कांड के खुलासे ने पुलिस की बड़ी कामयाबी दर्ज कराई है।

डेढ़ करोड़ की फिरौती के लिए किया था अपहरण

पानीपत थर्मल प्लांट में तैनात एक्सईएन सुनीता के 12 वर्षीय बेटे कबीर का शुक्रवार शाम अपहरण कर लिया गया था। देर रात बदमाशों ने व्हाट्सएप कॉल कर डेढ़ करोड़ रुपये की फिरौती मांगी। सूचना मिलते ही पानीपत सीआईए-2, गोहाना पुलिस और रोहतक पुलिस की संयुक्त टीमें सक्रिय हो गईं।

रोहतक। गांव किलोई में मौके पर जांच करते पुलिस अधिकारी व एफएसएल टीम डॉ.सरोज दहिया। फोटो :हरिभूमि

रोहतक। मुठभेड़ के बाद घायल आरोपित से जानकारी लेते सीआई की टीम।

रोहतक। मुठभेड़ के बाद घायल आरोपित।

छात्र ने निभाई थी अहम भूमिका

जांच में सामने आया है कि एक छात्र ने बच्चे को घर से बाहर बुलाने में भूमिका निभाई। बच्चे को कार में घूमने का शौक था। इसी कमजोरी का फायदा उठाकर उसे घर से बाहर लाया गया, जहां पहले से मौजूद बदमाशों ने उसका अपहरण कर लिया। इसके बाद आरोपी उसे लेकर यूपी और हरियाणा के विभिन्न इलाकों में घूमते रहे।

डीजीपी ने किया सम्मान का ऐलान

महज 11 घंटे में बच्चे को सकुशल बरामद कर अपहरणकर्ताओं को गिरफ्तार करने पर डीजीपी अजय सिंघल ने ऑपरेशन में शामिल पुलिस टीमों को एक लाख रुपये नकद पुरस्कार और प्रशंसा पत्र देने की घोषणा की है। वहीं बच्चे की मां एक्सईएन सुनीता ने भी पुलिस टीमों का आभार जताते हुए कहा कि पुलिस की तत्परता से उनका बेटा सुरक्षित वापस मिल सका।

महिला साथी समेत तीन गिरफ्तार

पुलिस ने विशाल निवासी थर्मल कॉलोनी और आदेश निवासी सुंदर नगर, पानीपत को गिरफ्तार किया है। दोनों घायल हैं। इनके साथ मौजूद शारदा निवासी गांव भराण, जिला रोहतक को भी काबू किया गया। आरोपियों की कार से दो पिस्तौल और दो चाकू बरामद हुए हैं।

पुलिस खंगाल रही आरोपियों का नेटवर्क

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी पीड़ित परिवार के बारे में पहले से जानकारी रखते थे। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि अपहरण की साजिश में और कौन-कौन शामिल था। साथ ही गिरफ्तार आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड और उनके संपर्कों की भी जांच की जा रही है।

रोहतक में मिली लोकेशन शुरू हुई फायरिंग

शनिवार सुबह बदमाशों की लोकेशन रोहतक क्षेत्र में मिली। पुलिस ने घेराबंदी की तो आरोपियों ने कार भगाने की कोशिश की। खुद को चारों ओर से घिरा देखकर उन्होंने बच्चे को चलती कार से बाहर फेंक दिया। बच्चा घायल हो गया, जिसे तुरंत पीजीआई रोहतक पहुंचाया गया। इसके बाद बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में दो आरोपियों के पैरों में गोली लगी और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

न्यूज डायरी

प्रोग्रेसिव ओपन टेबल टेनिस टूर्नामेंट: हर्षिल और भव्या ने जीता गोल्ड, आरवी कौशिक को रजत पदक

रोहतक। गुरुग्राम के प्रोग्रेसिव टेबल टेनिस एकेडमी में आयोजित प्रोग्रेसिव ओपन टेबल टेनिस टूर्नामेंट में रोहतक के होनहार टेबल टेनिस खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए शानदार प्रदर्शन किया है। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में कोच भावना सैनी के मार्गदर्शन में ट्रेनिंग ले रहे खिलाड़ियों ने विभिन्न आयु वर्गों में स्वर्ण और रजत पदक जीतकर क्षेत्र का नाम रोशन किया। कोच भावना सैनी ने बताया कि अंडर-9 बॉयज कैटेगरी में हर्षिल ने अपने बेहतरीन खेल और आक्रामक सर्विस के गोल्ड मेडल हासिल किया।वहीं लड़कियों के वर्ग में भी रोहतक की खिलाड़ियों का दबदबा देखने को मिला। अंडर-11 गर्ल्स कैटेगरी में भव्या ने शानदार तकनीकी खेल का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इसी आयु वर्ग में आरवी कौशिक ने जबरदस्त खेल भावना दिखाते हुए रजत पदक हासिल किया। आरवी ने सेमीफाइनल मुकाबले में गुरुग्राम की उभरती खिलाड़ी अमायरा को मात देकर फाइनल में प्रवेश किया था। कोच भावना सैनी ने कहा हर्षिल, भव्या और आरवी ने इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में जिस एकाग्रता और जज्बे के साथ मुकाबला किया, वह वाकई काबिले-तारीफ है। भव्या ने सेमीफाइनल में देहरादून की सुकृति जैसी मजबूत खिलाड़ी को मात दी, जो उसकी मानसिक मजबूती को दर्शाता है। वहीं आरवी कौशिक ने भी गुरुग्राम की घरेलू खिलाड़ी अमायरा को हराकर अपनी श्रेष्ठता साबित की। अंडर-9 में हर्षिल का पहला स्थान आना यह दिखाता है कि हमारी जमीनी स्तर की पौध बेहद मजबूत है।

नशे के खिलाफ ट्रक चालकों को किया जागरूक

रोहतक। जिला पुलिस की नशा मुक्ति टीम ने रेलवे स्टेशन परिसर में ट्रक चालकों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। उपनिरीक्षक अमर सिंह के नेतृत्व में आयोजित जागरूकता अभियान के दौरान चालकों को नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाली शारीरिक, मानसिक और आर्थिक हानियों की जानकारी दी गई। टीम ने बताया कि नशा व्यक्ति के जीवन, परिवार और समाज तीनों के लिए घातक है। नशीले पदार्थों का सेवन करने वाला व्यक्ति न केवल अपने स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि परिवार और समाज के लिए भी परेशानी का कारण बनता है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि युवा पीढ़ी को नशे की गिरफ्त से बचाना हम सभी की जिम्मेदारी है और रोहतक पुलिस इस दिशा में लगातार अभियान चला रही है। अधिकारियों ने ट्रक चालकों से अपील की कि वे नशे से दूर रहकर अपने स्वास्थ्य और करियर पर ध्यान दें। साथ ही बताया कि जो लोग नशे की लत छोड़ना चाहते हैं, उन्हें पीजीआईएमएस के नशामुक्ति केंद्र और विशेषज्ञ चिकित्सकों के माध्यम से परामर्श एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी। पुलिस ने लोगों से नशा बेचने वालों की सूचना तुरंत डायल-112 पर देने की अपील की। इसके अलावा नशे से संबंधित शिकायतों और सूचनाओं के लिए हेल्पलाइन नंबर 9050891508 भी जारी किया गया है। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रत्येक व्यक्ति एक पौधा अवश्य लगाए और उसका संरक्षण करे: पदम सिंह

रोहतक। केंद्र सरकार के गौरवशाली 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में वन मंडल रोहतक द्वारा व्यापक पौधारोपण अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत रोहतक, महम तथा गांव मकड़ौली में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए। रोहतक में आयोजित कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के प्रांत कार्यकारिणी सदस्य एवं विशिष्ट नागरिक पदम सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने पौधरोपण करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए प्रत्येक नागरिक को पौधरोपण को जन आंदोलन बनाना होगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा पिछले 12 वर्षों में पर्यावरण संरक्षण, हरित क्षेत्र बढ़ाने तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। उन्होंने उपस्थित लोगों से आह्वान किया कि वे अपने जीवन के प्रत्येक खुशी के अवसर जैसे जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ, पारिवारिक उत्सव अथवा अन्य विशेष अवसरों पर कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं तथा उसके संरक्षण की जिम्मेदारी भी निभाएं। वन विभाग की ओर से रोहतक रेंज इंचार्ज सुभाष कालरा, प्रवेश, नीलम, सुखविंदर तथा निशांत सहित विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अधिकारी नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करें : सचिन गुप्ता

रोहतक। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए हैं कि वे स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में और सुधार लाते हुए जनहित से जुड़ी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अधिकारी मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं, नियमित टीकाकरण, गैर-संचारी रोगों की स्क्रीनिंग तथा डेंगू नियंत्रण गतिविधियों को सर्वोच्च प्राथमिकता दें क्योंकि जिला प्रशासन नागरिकों को बेहतर, सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उपायुक्त स्थानीय कैंप कार्यालय में स्वास्थ्य विभाग की मासिक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे, जिसमें उन्होंने राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों, जनकल्याणकारी योजनाओं तथा स्वास्थ्य अवसंरचना परियोजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की।

संत कबीर पुस्तकालय में वाटर कूलर और आरओ का लोकार्पण किया

रोहतक। महाराजा अग्रसेन सेवा सदन ट्रस्ट द्वारा नेहरू कॉलोनी स्थित संत कबीर पुस्तकालय में शनिवार को विद्यार्थियों की सुविधा के लिए वाटर कूलर एवं आरओ प्रणाली का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में उद्योगपति राजेंद्र बंसल, पूर्व मेयर रेनू डाबला, रोटरी क्लब सफायर के प्रधान विजय गुप्ता तथा समाजसेवी सत्यनारायण गर्ग मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथियों ने ट्रस्ट के जनकल्याण कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि समाज सेवा और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता से आमजन को सीधा लाभ मिलता है। ट्रस्ट पदाधिकारियों ने अतिथियों का अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया तथा पुस्तकालय से जुड़े प्रमुख लोगों को सम्मानित भी किया। पुस्तकालय प्रबंधन समिति ने बताया कि यहां 40 से अधिक विद्यार्थी विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। वाटर कूलर और आरओ लगने से विद्यार्थियों को स्वच्छ एवं शुद्ध पेयजल की सुविधा मिलेगी। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

योग शिविर में विभिन्न योगासन, प्राणायाम और स्वास्थ्यवर्धक अभ्यास करवाए

रोहतक। आर्य नवनिर्माण कुमार सभा द्वारा इंदिरा कॉलोनी पार्क में विश्व योग दिवस के उपलक्ष्य में छह दिवसीय योग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य लोगों की शारीरिक, आत्मिक और सामाजिक उन्नति को बढ़ावा देना रहा। शिविर में पतंजलि योग पीठ की शिक्षिका दयावती एवं योग शिक्षक देवी सिंह ने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम और स्वास्थ्यवर्धक अभ्यास करवाए। उन्होंने बताया कि नियमित योग और प्राणायाम से शरीर स्वस्थ रहता है तथा मानसिक तनाव भी दूर होता है। योग प्रशिक्षकों ने उपस्थित लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और दैनिक जीवन में योग को शामिल करने के लिए प्रेरित किया। शिविर में बड़ी संख्या में महिलाओं और पुरुषों ने भाग लेकर योगाभ्यास किया। इस अवसर पर सुरेश, मास्टर किशन लाल, धर्मपाल, सुनीता, धर्मदेव आर्य, संतोष कश्यप, धनपत पवार, मास्टर रामचंद्र सहित अन्य समाजसेवियों ने सहयोग दिया।

28 ग्रामीण बसों के विस्तारित रूट से यात्रियों को राहत, डिपो की आय में हर माह 15 से 18 लाख रुपये तक की बढ़ोतरी

बसों के फेरों में वृद्धि और नए गांवों को जोड़ने से यात्रियों की संख्या बढ़ी

रोडवेज की नई रणनीति से बढ़ा राजस्व ग्रामीण रूटों पर बढ़ाए गए बसों के फेरे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हरियाणा रोडवेज ने यात्रियों को बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने और राजस्व बढ़ाने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण कदम उठाया है। रोडवेज प्रबंधन ने उन रूटों पर बसों के फेरे बढ़ाने का निर्णय लिया है, जहां पहले से बसें संचालित हो रही थीं। इस नई व्यवस्था के तहत बसें अब अपने पुराने मार्ग के साथ-साथ आसपास के अतिरिक्त गांवों को भी कवर कर रही हैं। इसका सीधा लाभ ग्रामीण यात्रियों को मिल रहा है, वहीं रोडवेज की आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। रोडवेज अधिकारियों के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित 28 बसों के रूट और फेरे बढ़ाए गए हैं। पहले जो बस किसी निर्धारित मार्ग पर छह गांवों से होकर गुजरती थी, अब वही बस चार या उससे अधिक अतिरिक्त गांवों को जोड़ते हुए अपने गंतव्य तक पहुंच रही है। खास बात यह है कि रूट विस्तार के बावजूद बसों का समय निर्धारित रखा गया है, जिससे यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ रहा। इस पहल का सकारात्मक परिणाम रोडवेज के राजस्व पर भी दिखाई दिया है। बसों के फेरों में वृद्धि और नए गांवों को जोड़ने से यात्रियों की संख्या बढ़ी है, जिसके चलते रोडवेज की मासिक आय में करीब 15 से 18 लाख रुपये तक की बढ़ोतरी हुई है। अधिकारियों का मानना है कि आने वाले समय में यह आंकड़ा और बढ़ सकता है।

इन गांवों से गुजर रही बसें

जिले के गांव किलोई, रूड़की, समचाना, फरमाणा, कलानौर, सुनारियां, मदीना, डोम भाली, सांपला, पाकस्मा, आसन्न, चमारिया, मकडोली, रूखी, गोहाना के रूट पर, बेरी, मायना, शिमली, भालौठ, मुगांण, बलियाणा समेत अन्य गांव शामिल है।

लंबी दूरी के रूटों पर भी लगाई बसें

ग्रामीण क्षेत्रों के अलावा लंबी दूरी के प्रमुख रूटों पर भी बस सेवाओं का विस्तार किया गया है। चंडीगढ़ रूट पर दो नई एसी बसों का संचालन शुरू किया गया है, जिससे यात्रियों को आरामदायक सफर की सुविधा मिल रही है। इसके अतिरिक्त शिमला मार्ग पर एक बस, हिसार रूट पर एक बस, सिरसा रूट पर दो बसें तथा जयपुर की दिशा में एक अतिरिक्त बस लगाई गई है। इन रूटों पर बढ़ती यात्री संख्या को देखते हुए यह निर्णय लिया गया, जिसका लाभ प्रतिदिन सैकड़ों यात्रियों को मिल रहा है।

विशेष बस सेवा शुरू करने की तैयारी

यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए रोडवेज प्रबंधन अब ग्रामीण क्षेत्रों के लिए एक विशेष बस सेवा शुरू करने की तैयारी में है। इसके लिए अधिकारियों द्वारा नए रूटों का सर्वे किया जा रहा है और जल्द ही प्रस्ताव को अंतिम रूप दिया जाएगा। उम्मीद है कि नई स्पेशल बस शुरू होने से दूर-दराज के गांवों को भी बेहतर परिवहन सुविधा मिल सकेगी और रोडवेज की आय में और अधिक वृद्धि होगी।

- नवीन कुमार, महाप्रबंधक, रोडवेज डिपो

खबर संक्षेप

सड़क हादसे में घायल महिला ने तोड़ा दम

रोहतक। कलानौर क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में घायल महिला की उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतका की पहचान शरबती के रूप में हुई है, जो 19 मई को एक सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गई थी। जानकारी के अनुसार, 19 मई को तेज रफ्तार से आ रही एक गाड़ी ने शरबती को टक्कर मार दी थी। हादसा इतना गंभीर था कि वह बुरी तरह घायल हो गई। दुर्घटना में एक अन्य महिला भी घायल हुई थी। दोनों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। शरबती की हालत गंभीर होने पर उसे रोहतक स्थित पीजीआई में भर्ती करवाया गया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उसका इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

19 वर्षीय युवक व 14 वर्षीय किशोरी लापता

रोहतक। जिले में युवक और किशोरी के लापता होने के दो मामले सामने आए हैं। पुलिस ने शिकायत पर गुमशुदगी दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। कटवाड़ा निवासी सुनीता ने बताया कि उसका 19 वर्षीय बेटा मनीष 10 जून की सुबह करीब 9 बजे गोहाना गया था। वहां वह एक नाई की दुकान पर काम सीख रहा था। जब शाम तक वह घर नहीं लौटा तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। दुकान मालिक से पूछताछ करने पर पता चला कि मनीष उस दिन दुकान पर पहुंचा ही नहीं। वहीं, अर्बन स्टेट थाना पुलिस को सेक्टर-1 नई हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी निवासी मनोज कुमार पुत्र शिवनाथ ने शिकायत दी कि उसकी 14 वर्षीय बेटी हेमलता 10 जून की से लापता होने की शिकायत दर्ज करवाई है।

होटल में घुसकर कर्मचारी पर हमला

रोहतक। पुलिस ने नए बस स्टैंड के पास होटल में कर्मचारी से मारपीट और तोड़फोड़ करने के मामले में करीब एक दर्जन अज्ञात युवकों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। होटल कर्मचारी अमित ने बताया कि वह होटल में नौकरी करता है। 8 जून की रात करीब 3 बजे मोटरसाइकिल पर सवार तीन युवक होटल में कमरा लेने आए थे। किसी कारणवश कमरा देने से मना करने पर युवकों ने गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से चले गए।

इंस्टाग्राम एप और बैंक खाते से लाखों की ठगी

रोहतक। साइबर ठगी के दो अलग-अलग मामलों में पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एक मामले में इंस्टाग्राम पर फ्री मूवी दिखाने वाले विज्ञापन के जरिए युवक के खाते से 98 हजार रुपये उड़ा लिए गए, जबकि दूसरे मामले में बैंक खाते से एक लाख रुपये से अधिक की रकम निकाल ली गई। बहु अकबरपुर निवासी नीरज पुत्र नरेश कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 8 जून को उसने इंस्टाग्राम पर फ्री मूवी दिखाने वाले एक विज्ञापन पर क्लिक कर संबंधित ऐप डाउनलोड कर ली।

कनाडा में नौकरी के नाम पर 23.48 लाख की ठगी

रोहतक। विदेश में नौकरी दिलाने का सपना दिखाकर गुरु नानकपुरा निवासी एक महिला से 23 लाख 48 हजार रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में अंजली ने बताया कि उसने 5 दिसंबर को एक वेबसाइट पर कनाडा में नौकरी से संबंधित विज्ञापन देखा था। विज्ञापन से प्रभावित होकर उसने अपना रिज्यूमे भेज दिया।

स्वास्थ्य जांच शिविर आज

रोहतक। डीएलएफ कालोनी चौंक स्थित बाबा बंदा सिंह बहादुर चैरिटेबल डिस्पैंसरी एवं डायलिसिस सैंटर में रविवार की सुबह 9:30 बजे से 11 बजे तक श्वास, फेफड़े और गम्भीर छाती रोग के उपचार के लिए एक शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसमें छाती रोग विशेषज्ञ डॉक्टर रमण पसरीजा द्वारा रोगियों की जांच की जाएगी।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

किसी ने इसे हादसा बताया तो कुछ लोगों ने कहा, जान देने के इरादे से नहर किनारे पहुंचे थे दोनों

जेएलएन नहर में कूदा किशोर, लड़की के बयान और प्रत्यक्षदर्शियों के दावों में अंतर

घटना के बाद पुलिस, प्रशासन और गोताखोरों की टीमें मौके पर पहुंची
■
देर शाम तक एसडीआरएफ व गोताखोर किशोर की तलाश में जुटे रहे

रोहतक। सर्च अभियान करते एसडीआरएफ व दमकल विभाग की टीम।

रोहतक। घटना के बाद नहर पर जमा लोगों की भीड़। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

दिल्ली बाईपास स्थित जवाहरलाल नेहरू नहर में शनिवार को एक रहस्यमयी घटना की गवाह बनी। सुनारियां चौक क्षेत्र का एक किशोर नहर में कूदने के बाद तेज बहाव में लापता हो गया। घटना के समय उसके साथ एक किशोरी भी मौजूद थी। नहर किनारे जुटी भीड़ के बीच घटना को लेकर अलग-अलग तरह की चर्चाएं होती रहीं। कोई इसे हादसा बता रहा था तो कुछ लोगों का दावा था कि दोनों किसी बड़े कदम के इरादे से नहर किनारे पहुंचे थे। हालांकि पुलिस अभी किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंची है और किशोर की तलाश को प्राथमिकता दी जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और गोताखोरों की टीमें मौके पर पहुंच गईं। देर शाम तक एसडीआरएफ और गोताखोर नहर में किशोर की तलाश करते रहे, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लग पाया। तहसीलदार यशपाल शर्मा ने बताया कि एसडीआरएफ और गोताखोरों की टीम लगातार सर्च अभियान चला रही है। वहीं, एएसआई राजेश के अनुसार प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि किशोर स्कूटी पर नहर किनारे पहुंचा था। फिलहाल पुलिस का पूरा ध्यान किशोर की तलाश पर है। उसके मिलने के बाद ही घटना के वास्तविक कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा।किशोर के लापता होने की सूचना मिलते ही उसके परिजन नहर किनारे पहुंच गए। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। बताया जा रहा है कि किशोर की मां ने भी लड़की से फोन पर बातचीत कर यह जानने का प्रयास किया कि दोनों नहर किनारे किस कारण पहुंचे थे।

कुछ यूं चला घटनाक्रम

- लोगों ने बताया कि लड़का और लड़की काफी देर तक नहर किनारे बैठे रहे।
- एक प्रत्यक्षदर्शी बोला-किशोर अचानक नहर में कूद गया।
- लड़की भी नहर में उतरने वाली थी, लेकिन अंतिम क्षण में रुक गई
- वह मदद के लिए शोर मचाने लगी। इसके बाद आसपास के लोग वहां एकत्रित हो गए।

लड़की बोली-चप्पल गिरी तो नहर में उतरा युवक

घटनास्थल पर मौजूद लोगों के अनुसार लड़की ने बताया कि वह और किशोर घर से ट्यूशन जाने की बात कहकर निकले थे। कुछ देर नहर किनारे बैठने के दौरान किशोर की चप्पल पानी में गिर गई। चप्पल निकालने के प्रयास में वह नहर में उतर गया। लेकिन पानी का बहाव इतना तेज था कि वह खुद को संभाल नहीं सका और बह गया।

बचाने के लिए दो युवक भी नहर में उतरे

प्रत्यक्षदर्शी योगेश ने बताया कि किशोर को बहता देख वहां मौजूद दो युवकों ने उसे बचाने का प्रयास किया। दोनों नहर में उतरे भी, लेकिन तेज बहाव के कारण किशोर तक नहीं पहुंच सके। कुछ ही पलों में वह उनकी नजरों से ओझल हो गया। इसके बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

पुलिस ने की पूछताछ

गोशाला में चारा डालने पहुंचे सतीश नांदल ने बताया कि मौके पर काफी भीड़ जमा थी और लोग लड़की से घटना के बारे में सवाल कर रहे थे। लड़की बेहद घबराई हुई थी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और प्रारंभिक पूछताछ के बाद लड़की को अपने साथ ले गई। पुलिस उससे घटना की परिस्थितियों को लेकर जानकारी जुटा रही है।

उलटबांसी गोहाना अड्डा व भगत सिंह कॉम्प्लेक्स में तैयार किए गए हैं शौचालय

गरीबों का शौचालय 12 हजार में, निगम बने टायलेट पर खर्चेगा 15 लाख रुपये

भगत सिंह कॉम्प्लेक्स स्थित सार्वजनिक शौचालय को लेकर सबसे ज्यादा सवाल उठ रहे

रोहतक। भगत सिंह काम्प्लेक्स में संचालित शौचालय।

रोहतक। गोहाना अड्डा पर बनाया गया शौचालय।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

नगर निगम की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में है। शहर में पहले से संचालित सार्वजनिक शौचालयों के नवीनीकरण और निर्माण कार्यों पर लाखों रुपये खर्च किए जाने के मामले ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। हैरानी की बात यह है कि जिन शौचालयों पर नगर निगम ने करीब पंद्रह लाख रुपये खर्च किए, उनमें से कुछ पहले से ही उपयोग में थे। अब पार्षदों और व्यापारिक संगठनों का कहना है कि आखिर नगर निगम की जांच कब पूरी होगी और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है। शहर के भगत सिंह कॉम्प्लेक्स स्थित सार्वजनिक शौचालय को लेकर सबसे ज्यादा सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि यहां पहले से शौचालय संचालित था, लेकिन इसके बावजूद निगम ने 4 लाख से अधिक रुपये खर्च कर इसे दोबारा तैयार करवाया। इसी प्रकार गोहाना अड्डा स्थित सार्वजनिक शौचालय पर भी भारी भरकम राशि खर्च किए जाने का मामला चर्चा में है। सूत्रों का कहना है कि दोनों शौचायलों पर दस लाख से ज्यादा रुपये खर्च किए गए हैं। दोनों मामलों को लेकर निगम प्रशासन की कार्यप्रणाली पर लगातार सवाल उठ रहे हैं।

60 साल पुराने सार्वजनिक शौचालय को लेकर नोटिस

नगर निगम की तरफ से रेलवे रोड स्थित एक शौचालय के मामले में नोटिस दिया गया है। जमीन मालिक ने बताया जहां शौचालय बना हुआ है, इस जमीन की रजिस्ट्री है। यह शौचालय इसी जमीन के अंदर है। जो 60 साल से बनाया हुआ है।अब नगर निगम द्वारा नोटिस देने का क्या मतलब है। नोटिस का जवाब दे दिया गया है।

पूरी नहीं हुई किला रोड के शौचालय की जांच

विवादों के केंद्र में किला रोड स्थित शौचालय भी है। इस शौचालय के निर्माण और मरम्मत कार्यों को लेकर नगर निगम की हाउस बैठकों में कई बार हंगामा हो चुका है। पार्षदों ने आरोप लगाया था कि यहां जरूरत से ज्यादा राशि खर्च की गई। जानकारी के अनुसार किला रोड स्थित शौचालय पर करीब 19 लाख रुपये खर्च किए गए थे। इस मामले में जांच शुरू हुई थी, लेकिन लंबे समय बीतने के बाद भी इसकी रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की गई है। इसके अलावा सेल्फी प्वाइंट की भी जांच क्यों नहीं की गई।
पार्षदों का कहना है कि यदि किसी प्रकार की अनियमितता नहीं हुई है तो जांच रिपोर्ट सार्वजनिक की जानी चाहिए और यदि गड़बड़ी सामने आई है तो दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। उनका आरोप है कि जांच के नाम पर मामले को लंबा खींचा जा रहा है।

लोगों के मन में उठ रहे ये प्रमुख सवाल

- जब शौचालय पहले से संचालित थे तो दोबारा लाखों रुपये खर्च करने की जरूरत क्यों पड़ी?
- किला रोड शौचालय की जांच रिपोर्ट अब तक सार्वजनिक क्यों नहीं की गई?
- जांच पूरी होने में इतना समय क्यों लग रहा है?
- यदि अनियमितताएं मिली हैं तो जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई कब होगी?
- सार्वजनिक धन के उपयोग की जवाबदेही कौन तय करेगा?
- नगर निगम हाउस में उठे सवालों का जवाब प्रशासन कब देगा?

तालाब में मिला रोहताश का शव, हत्या की जताई आशंका

दोस्तों संग शराब पीने के बाद हुआ था लापता

रोहतक। मौके पर जांच करते पुलिस अधिकारी व एफएसएल टीम इंचार्ज।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

गांव खिडवाली में 10 जून की रात से लापता 52 वर्षीय रोहताश का शव गांव के डोभी वाले तालाब में मिलने से सनसनी फैल गई। तीन दिन से परिजन उसकी तलाश में जुटे थे और एक दिन पहले ही गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई गई थी। शनिवार सुबह तालाब में शव दिखाई देने की सूचना मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया। सूचना पर सदर थाना पुलिस और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची तथा जांच शुरू कर दी। मृतक की पहचान रोहताश पुत्र ताराचंद निवासी खिड़वाली के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार रोहताश 10 जून की रात करीब 12 बजे गांव के ही कुछ लोगों के साथ बैठकर शराब पी रहा था। देर रात उसके साथ मौजूद अन्य लोग तो अपने-अपने घर लौट आए, लेकिन रोहताश घर नहीं पहुंचा। जब काफी देर तक उसका कोई सुराग नहीं मिला तो परिवार ने उसकी तलाश शुरू की। रिश्तेदारों और परिचितों के यहां खोजबीन की गई, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला।

शराब पीने के दौरान किसी बात को लेकर हुआ विवाद

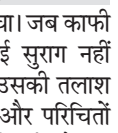

घटना के बाद मृतक के परिजनों ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि जिस रात रोहताश लापता हुआ, उस समय वह गांव के बलराज, श्रीओम और रविंद्र उर्फ बदलू के साथ था। परिजनों का आरोप है कि शराब पीने के दौरान किसी बात को लेकर विवाद हुआ और उसी दौरान रोहताश की हत्या कर दी गई। आरोपियों ने वारदात को छिपाने के लिए शव को तालाब में फेंक दिया। परिजनों ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की

महम बाजार में मंगलसूत्र लूटने वाला आरोपी गिरफ्तार, वारदात में प्रयुक्त बाइक बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

- 11 जून को हुई थी वारदात, 24 घंटे के भीतर पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार, अदालत ने दो दिन के रिमांड पर भेजा

महम बाजार में महिला का मंगलसूत्र लूटकर फरार होने की वारदात को पुलिस ने 24 घंटे के भीतर सुलझाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली है। पुलिस प्रवक्ता मनीष ने बताया कि 11 जून को खरक निवासी तमन्ना की शिकायत पर थाना महम में मामला दर्ज किया गया था। शिकायत में बताया गया कि वह अपनी बहन के साथ शाम के समय महम बाजार में पैदल जा रही थी। इसी दौरान सामने से मोटरसाइकिल पर सवार एक युवक आया और झपट्टा मारकर उसके गले से सोने का मंगलसूत्र तोड़ लिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। मामले की जांच उपनिरीक्षक नरेश के नेतृत्व में की गई। जांच के दौरान पुलिस ने विभिन्न सुराग जुटाए और

12 जून को आरोपी मनजीत पुत्र तेजभान निवासी किशनगढ़, महम को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी की संलिप्तता सामने आने पर उसके कब्जे से वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली गई।

लोन नहीं चुकाने पर बैंक ने मकान कब्जाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

मोखरा गांव में शनिवार को उस समय लोगों की भीड़ जुट गई, जब बैंक अधिकारियों की टीम पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ एक मकान पर कब्जा लेने पहुंची।

कई वर्षों से बकाया चल रहे ऋण की अदायगी नहीं होने पर बैंक ने कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए मकान को अपने कब्जे में ले लिया। कार्रवाई के दौरान मकान के मुख्य गेट पर बैंक का नोटिस और फ्लेक्स भी लगा दिया गया। जानकारी के अनुसार, कोगटा फाइनेंशियल इंडिया लिमिटेड के अधिकारियों की टीम बैंक प्रबंधक मानवेंद्र के नेतृत्व में गांव मोखरा पहुंची। कार्रवाई को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए महम के तहसीलदार रवि कुमार को ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया था। मौके पर पर्याप्त पुलिस बल भी तैनात रहा। कार्रवाई के दौरान बैंक अधिकारियों और मकान मालिक के बीच बातचीत भी हुई। ऋणधारक को मौके पर ही बकाया राशि जमा कर मामला सुलझाने का अवसर दिया गया, लेकिन कोई सहमति नहीं बन सकी। इसके बाद नियमानुसार मकान का कब्जा बैंक को सौंप दिया गया और संपत्ति को सील कर दिया गया।

24 लाख रुपये से अधिक की राशि

तहसीलदार रवि कुमार ने बताया कि गांव निवासी नवीन पुत्र रमेश ने कुछ वर्ष पूर्व कोगटा फाइनेंशियल इंडिया लिमिटेड से ऋण लिया था। निर्धारित समय के भीतर किस्तों का भुगतान नहीं होने के कारण ऋण खाते में करीब 24 लाख रुपये की बकाया राशि हो गई। बैंक की ओर से बार-बार संपर्क और नोटिस देने के बावजूद भुगतान नहीं किया गया।

कोर्ट के आदेश के बाद कार्रवाई

बकाया राशि की वसूली के लिए बैंक ने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। न्यायालय से आदेश मिलने के बाद रोहतक के अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) की ओर से संपत्ति कब्जे में लेने संबंधी आवश्यक निर्देश जारी किए गए। अधिकारियों ने बताया कि कार्रवाई से पहले कई बार मकान पर नोटिस चस्पा किए गए और ऋणधारक को भुगतान का अवसर भी दिया गया था।

जल्द भुगतान कर मकान वापस लेने की उम्मीद

कार्रवाई के बाद मकान मालिक ने बैंक अधिकारियों को आश्वासन दिया कि वह जल्द बकाया राशि का भुगतान करने का प्रयास करेगा। बैंक अधिकारियों का कहना है कि नियमानुसार बकाया राशि जमा होने के बाद आगे की प्रक्रिया पर विचार किया जाएगा। फिलहाल संपत्ति बैंक के कब्जे में है और कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी।

अवसर प्रोफेशनल प्रशिक्षण और कौशल विकास के जरिए युवाओं के सपनों को दे रहे उड़ान

फूड प्रोडक्शन, कैटरिंग और इवेंट मैनेजमेंट कंपनियों में करियर के अवसर प्रदान करता है होटल मैनेजमेंट कोर्स

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

स्टूडेंट गाइड

देश-विदेश में तेजी से बढ़ते पर्यटन, होटल, एयरलाइन, क्रूज़ और फूड इंडस्ट्री के चलते हॉस्पिटैलिटी सेक्टर युवाओं के लिए सबसे आकर्षक और तेजी से उभरता हुआ करियर विकल्प बन चुका है। सर्विस सेक्टर में बढ़ती मांग के बीच होटल मैनेजमेंट अब सिर्फ पारंपरिक नौकरियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक बहुआयामी अंतरराष्ट्रीय करियर क्षेत्र बन चुका है। इस दिशा में इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट रोहतक विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर पर सफल करियर के लिए तैयार कर रहा है।

रोजगारपरक कोर्स और कौशल विकास

आईएचएम रोहतक में होटल मैनेजमेंट और हॉस्पिटैलिटी से जुड़े कई तरह के व्यावसायिक पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं, जिनमें आतिथ्य एवं होटल प्रशासन में तीन वर्षीय डिग्री कोर्स। डेढ़ वर्षीय डिप्लोमा कोर्सेज फूड प्रोडक्शन, बेकरी एवं कन्फेक्शनरी, और फूड एंड बेवरेज सर्विस में विशेषज्ञता। इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को फूड प्रोडक्शन, होटल संचालन, ग्राहक सेवा, किचन प्रबंधन, इवेंट संचालन आदि में अपना भविष्य बना सकते है।

उद्योग की जरूरतों के अनुरूप व्यावहारिक ज्ञान

संस्थान के प्रिंसिपल शंभूनाथ गौतम के अनुसार, आज के दौर में होटल संचालन, फूड प्रोडक्शन, फ्रंट ऑफिस, हाउसकीपिंग, फूड एंड बेवरेज सर्विस, इवेंट मैनेजमेंट और ग्राहक सेवा जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञों की मांग लगातार बढ़ रही है। आईएचएम रोहतक का मुख्य उद्देश्य केवल डिग्री या डिप्लोमा प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को उद्योग की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप ढालना है। ताकि देश- विदेश में अपना करियर बना सकें।

इन क्षेत्रों में खुले हैं करियर के द्वार

संस्थान के व्याख्याता विकास देशवाल ने बताया कि कोर्स पूरा करने के बाद प्रशिक्षित युवाओं के लिए देश और विदेश की प्रतिष्ठित होटल श्रृंखलाओं तथा बहुराष्ट्रीय कंपनियों में रोजगार के व्यापक अवसर उपलब्ध हैं। विकास देशवाल ने बताया कि बदलती जीवनशैली और पर्यटन क्षेत्र के निरंतर विस्तार के कारण आने वाले समय में हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में रोजगार की संभावनाएं और अधिक बढ़ने की उम्मीद है, जो युवाओं के लिए एक सुरक्षित और उज्ज्वल भविष्य की गारंटी पेश करता है।

निम्न क्षेत्रों में अपना भविष्य बनाएं युवा

- शानदार होटल एवं लग्जरी रिसॉर्ट उद्योग
- एयरलाइन और केबिन सेवा
- आलीशान इंटरनेशनल क्रूज लाइन उद्योग
- फूड प्रोडक्शन, कैटरिंग और इवेंट मैनेजमेंट कंपनियां
- अस्पताल एवं कॉर्पोरेट हॉस्पिटैलिटी
- स्वरोजगार : खुद का रेस्टोरेंट, कैफे, बेकरी या क्लाउड किचन स्टार्टअप।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 14 जून 2026

रिलेशनशिप का नया ट्रेंड
डिजिटल ब्वॉयफ्रेंड-गर्लफ्रेंड

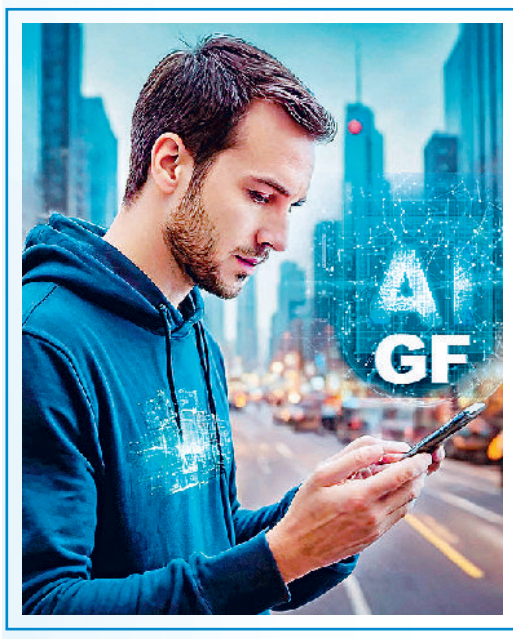

हाल के वर्षों में एआई ने अनेक प्रोफेशंस में जबर्दस्त बदलाव कर दिया है। अब प्रोफेशंस से भी आगे बढ़कर रिलेशनशिप में भी इसका दखल बढ़ने लगा है। इसका प्रमाण है, रियल के बजाय डिजिटल पार्टनर बनाने का बढ़ता ट्रेंड। यह ट्रेंड क्या है, यह क्यों बढ़ रहा है और आने वाले समय में इसके किस तरह के असर हम सभी को देखने को मिल सकते हैं, इसका डिटेल्ड एनालिसिस।

{ कवर स्टोरी / लोकमित्र गौतम }

भले ही आज यह बात आपको थोड़ा असहज कर सकती है, लेकिन यह सच है कि रिलेशनशिप का नया ट्रेंड तेजी से सामने आ रहा है, वो है डिजिटल गर्लफ्रेंड-ब्वॉयफ्रेंड। डिजिटल गर्लफ्रेंड और डिजिटल ब्वॉयफ्रेंड (जीएफ/बीएफ) कोई साधारण ट्रेंड नहीं है, बल्कि इंसानी रिश्तों के ढांचे में अभूतपूर्व बदलाव की शुरुआत है।

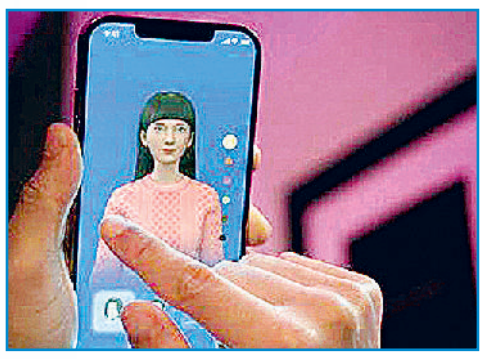

रियल पार्टनर जैसी फीलिंग

आज एआई आधारित एप्स और विभिन्न प्लेटफॉर्म जैसे रिपेलिका और करेक्टर एआई मौजूद हैं, जो यूजर के साथ उसी तरह रोमांटिक, भावनात्मक या निजी बातचीत करते हैं, जैसे ब्वॉयफ्रेंड या गर्लफ्रेंड आपस में करते हैं। ये आपकी पसंद ही नहीं भावनाओं को भी समझते हैं, आपकी बातों पर प्रतिक्रिया देते हैं और पर्सनल पार्टनर जैसा अनुभव देते हैं।

करोड़ों लोग हैं एक्टिव

डिजिटल गर्लफ्रेंड और डिजिटल ब्वॉयफ्रेंड कोई रेयर या एक्सेप्शनल फिनोमिना नहीं है। सच्चाई तो यह है कि अगर एआई कंपेनियनशिप एप्स के आंकड़ों को मानें तो इस समय दुनिया में 5 से 6 करोड़ जीएफ/बीएफ सक्रिय रूप में मौजूद हैं। पूरी दुनिया में 10 करोड़ से ज्यादा लोग ऐसे हैं, जो इनके साथ किसी न किसी रूप से चैटबॉट्स के जरिए जुड़ते हैं। इनमें सिर्फ रिपेलिका के ही 3-4 करोड़ यूजर हैं, जबकि करेक्टर एआई के 2 करोड़ सिर्फ मंथली एक्टिव यूजर हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि दुनिया के 21 फीसदी वयस्क एआई कंपेनियनशिप का इस्तेमाल कर चुके हैं और 72 फीसदी किशोर कम से कम एक बार ऐसे एआई से बातचीत की है। मतलब यह कि अब यह कुछ थोड़े से लोगों का शौक या प्रयोग भर नहीं है बल्कि यह बड़ी जनसंख्या का न्यू नॉर्मल व्यवहार है।

अपने देश में भी बढ़ रहा ट्रेंड

भारत भी इस मामले में पीछे नहीं है। हालांकि भारत के अलग से सटीक आधिकारिक आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन इसका बढ़ता ट्रेंड साफ तौर पर देखा जा सकता है। और ऐसा हो भी क्यों न, आखिर भारत दुनिया का सबसे बड़ा इंटरनेट यूजर देश है। भारत में एक अरब से ज्यादा मोबाइल फोन इस्तेमाल में हैं और इनमें 80 करोड़ से ज्यादा में इंटरनेट का इस्तेमाल होता है। अगर एआई एप्स डाउनलोड ग्रोथ 2023-24 को देखें, तो भारत में इसकी रफ्तार 1400 फीसदी रही है यानी, हाल के सालों में भारत में एआई एप्स को डाउनलोड करने की रफ्तार 14 गुना तक बढ़ी है। क्योंकि भारत में मोबाइल फोन के सबसे बड़े उपभोक्ता 18 से 30 साल के युवा हैं। इसलिए भी भारत में एआई कंपेनियनशिप की मांग अविश्वसनीय रफ्तार से बढ़ रही है। क्योंकि इंटरनेट इस्तेमाल करने वाला यही वर्ग (18-30) सबसे बड़ा इंटरनेट यूजर वर्ग है। इसके बावजूद भी यह कहा जा सकता है कि भारत में यह सिलसिला अभी शुरुआती चलन में है, भले इसकी रफ्तार बहुत तेज हो।

इस ट्रेंड के बढ़ने की वजहें

सवाल है, आखिर इंसानों को डिजिटल जीएफ और बीएफ तक जाने की जरूरत ही क्यों पड़ी? यानी हम आखिर यहां पहुंचे क्यों और कैसे? इसका सबसे बड़ा कारण है लोगों में बढ़ता अकेलापन। शहरी जीवन, काम का दबाव, टूटते सामाजिक नेटवर्क और भावनात्मक सहारा ढूंढ़ते युवा। वास्तव में यही वजहें हैं, जिनके चलते पिछले कुछ सालों में ही डिजिटल जीएफ/बीएफ की रफ्तार तेजी से बढ़ी है। असली रिश्तों में लगातार बढ़ती असहमति, समझौते और जिम्मेदारियां एआई रिश्तों की तरफ हमें मोड़ रही हैं, क्योंकि वहां इस तरह की दुश्वारियां या तो नहीं हैं या इतनी नहीं है कि परेशान करके रख दें। क्योंकि एआई रिश्ते 'कंट्रोल्ड' होते हैं और उनको संभालना आसान होता है। दूसरी महत्वपूर्ण बात यह भी है कि एआई अब इस कदर एडवांस हो चुका है कि वह लोगों को 'सोचने और समझने' का भी भ्रम पैदा कर रहा है।

रियल रिलेशन होंगे वीक

इस उभरते नए डिजिटल रिलेशन को लेकर गंभीर सवाल यह है कि अगर इस सिलसिले को जल्द रोका न गया, तो क्या होगा? भले ही अभी यह ट्रेंड रोमांचित कर रहा है, लेकिन सच है कि इससे हमारे जैविक रिश्ते आने वाले दिनों में बेहद कमजोर हो सकते हैं। अगर संबंध विशेषज्ञों की मानें तो यह सिलसिला इसी तरह बेकाबू आगे बढ़ता रहा तो असली रिश्ते में दूरियां बढ़ने लगेंगी। हममें से ज्यादातर लोगों के रिश्तों के नाम एआई पार्टनर होंगे, क्योंकि एआई पार्टनर झगड़ा नहीं करते और हमेशा आपकी हां में हां मिलाते हैं। इससे असली रिश्ते जटिल लगने लगते हैं और एआई रिश्ते आकर्षक हो जाते हैं। जो लोग हर दिन एआई के साथ एक से दो घंटे के लिए संपर्क में रहते हैं, उन्हें एआई से लगाव हो जाता है। वे उसे अपने पार्टनर के रूप में स्वीकार करने लगते हैं। यह वैसा ही है, जैसे सोशल मीडिया एडिक्शन। पर, यह उससे भी एक कदम आगे का एडिक्शन है, क्योंकि इससे हमारे न सिर्फ भावनात्मक रिश्ते पर चोट लग रही है बल्कि इसके कारण हमारे समाज का सदियों से मौजूद पारंपरिक ढांचा दरकने लगा है।

मेंटल हेल्थ पर बुरा असर

डिजिटल रिलेशन का असर सिर्फ भावनात्मक रिश्तों तक ही सीमित नहीं रहता है बल्कि बढ़ते जीएफ/बीएफ ट्रेंड के कारण हमारे युवाओं के मेंटल हेल्थ पर भी गंभीर असर पड़ता है, क्योंकि शुरुआत में ये डिजिटल ब्वॉयफ्रेंड या गर्लफ्रेंड भले राहत देते हों, लेकिन जब आप लगातार इनके टच में रहते हैं या इनका इस्तेमाल करते हैं, तो ये न केवल आपको अकेलेपन के दलदल में खींच ले जाते हैं बल्कि आपको कई तरह की हताशाओं और निराशाओं से भी भर देते हैं। अकसर एआई कंपेनियनशिप के साथ जो लोग खुश होते हैं, उन्हें नजदीक के इंसानों से रिश्ते बनाने में बड़ी मुश्किल लगती है और अगर किसी तरह से इनके रिश्ते बन भी गए, तो उन्हें यह रिश्ते बहुत पसंद नहीं आते। *

बढ़ सकती हैं कई तरह की समस्याएं

डिजिटल जीएफ/बीएफ का बढ़ता ट्रेंड सचमुच में डरावना है। इससे आने वाले समय में कई समस्याएं सामने आ सकती हैं। इसके बढ़ने से शादी और परिवार की संस्था कमजोर होगी। कस्टम पार्टनर की आदत यानी हम जैसा साथी चाहते हैं या दूसरे शब्दों में अपनी कल्पना के साथी की तलाश में रहने लगेंगे। अगर यह चलन इसी तरह तेजी से बढ़ता रहा, तो देश और दुनिया में अकेले रहने वाले लोगों की संख्या बहुत ज्यादा हो जाएगी। कई विशेषज्ञों के मुताबिक तो अगले दो-तीन दशकों में अकेले रहने वाले लोग, साथ में रहने वाले लोगों से भी ज्यादा हो सकते हैं। इससे सामाजिक दूरी भी बढ़ेगी। यह ट्रेंड मानव समाज के सामने एक गंभीर चुनौती बन सकता है।

इंसानी सभ्यता की शुरुआत से ही हमेशा जवान, खूबसूरत दिखने की चाहत रही है। इसे पाने के लिए नेचुरल तरीकों से लेकर, साइंस, दवाएं और अब एआई तक का यूज किया जा रहा है। उम्मीद है कि जल्द ही खूबसूरती का कोई पर्मानेंट सॉल्यूशन हमें मिल जाएगा।

पर्मानेंट खूबसूरती की चाहत
जल्द मिल सकता है सॉल्यूशन

{ टेक्नोसाइंस / प्रतिमा अरोड़ा }

इंसानी खूबसूरती का क्या कोई स्थायी और सार्वभौमिक फार्मूला हो सकता है? 19वीं शताब्दी से ही विज्ञान इस सवाल का जवाब ढूंढ़ रहा है। आधुनिक विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, जेनेटिक्स और कॉस्मेटिक मेडिसिन का अब लगभग यह केंद्रीय विषय बन चुका है कि दुनिया भर के इंसानों के लिए एक सार्वभौमिक खूबसूरती का पैमाना क्या हो और इसे पूरी दुनिया के स्तर पर संभव कैसे बनाया जाए? यह सोच और यह खोज इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि इंसान सदियों से सुंदर होने के उपाय खोजता रहा है। कभी प्राकृतिक नुस्खों से, कभी शल्य चिकित्सा से, कभी जीन एडिटिंग से, तो अब एआई आधारित तकनीकों से भी।

खूबसूरती की खोज की शुरुआत

19वीं सदी के अंत से ही वैज्ञानिक इंसान की स्थायी खूबसूरती का समाधान खोज रहे हैं। विशेषकर जब से शरीर रचना विज्ञान यानी एनाटॉमी और त्वचा विज्ञान यानी डर्मेटोलॉजी का व्यवस्थित विकास हुआ। तभी से विज्ञान कुछ बातों पर फोकस कर रहा है। जैसे-त्वचा की संरचना का विज्ञान क्या है और इसे हमेशा जवान कैसे बनाए रखा जा सकता है? आखिर उम्र बढ़ने की प्रक्रिया क्या है और इसे कैसे रोका जा सकता है? हार्मोन और सौंदर्य के बीच क्या संबंध हैं, क्या हार्मोन में ही इंसानी सौंदर्य का रहस्य छिपा है? 20वीं सदी के मध्य में प्लास्टिक सर्जरी के बाद कॉस्मेटिक सर्जरी लगभग चमत्कार की तरह उभरकर सामने आई। इस दौर में अनेक जैविक शोधों से यह स्पष्ट हुआ कि त्वचा का रंग, बालों की बनावट, चेहरे की आकृति और झुर्रियां इन सबका बड़ा हिस्सा जीन द्वारा नियंत्रित होता है। अतः जीन नियंत्रण का विज्ञान समझ लिया जाए तो एक तरह से खूबसूरती पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

सौंदर्य का केंद्र जेनेटिक्स

साल 2003 में ह्यूमन जीनोम प्रोजेक्ट लांच हुआ और यह विज्ञान के लिए मील का पत्थर साबित हुआ। इससे यह समझ में आया कि मानव शरीर में मौजूद हजारों जीन, हमारे शरीर की अलग-अलग संरचनाओं और गुणों के लिए जिम्मेदार हैं। इस शोध से पता चला त्वचा की मोटाई का कारण क्या है? कोलेजन का उत्पादन कैसे होता है? उम्र बढ़ने की गति क्या होती है? बाल झड़ते क्यों हैं? केंद्रीय रूप से इन सबके पीछे विशिष्ट कारण सिर्फ जीन हैं। आज वैज्ञानिक जीनों की पहचान करके एजिंग के रहस्य का पर्दाफाश करने में लगे हैं। इस शोध और लगातार कोशिश का निष्कर्ष यह है कि सैद्धांतिक रूप से जीन स्तर पर बदलाव करके उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा किया जा सकता है।

प्रभावी है कॉस्मेटिक टेक्नोलॉजी

हालांकि कॉस्मेटिक टेक्नोलॉजी अभी अस्थायी ही है। लेकिन निश्चित रूप से यह सौंदर्य विज्ञान का सबसे विकसित क्षेत्र है और एस्थेटिक मेडिसिन को भविष्य इंसान की खूबसूरती को स्थायी रूप देने में सक्षम माना जा रहा है। आज इसी विज्ञान के चलते-बोटोक्स, डर्मल फिलर्स, लेजर स्किन रिसर्फेसिंग तथा केमिकल पिल्स जैसी प्रक्रियाओं से लोग अपनी झुर्रियां कम कर रहे हैं। त्वचा को चिकनी, मुलायम और टाइट रख पाने में सफल हो रहे हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि चेहरे को पसंदीदा आकृति देने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि अभी यह 100 फीसदी संभव नहीं है, लेकिन हर गुजरते साल के साथ यह पहले से बेहतर होती जा रही है। इस बात का सबूत है कि बहुत जल्द इंसानी खूबसूरती का स्थायी समाधान बनकर कॉस्मेटिक टेक्नोलॉजी सामने आएगा।

जीन एडिटिंग में है भविष्य

साल 2012 के बाद जीन एडिटिंग तकनीक, जिसे सीआरआईएसपीआर-सीएएस-9 कहा जाता है, ने चिकित्सा जगत में क्रांति ला दी। इस तकनीक के जरिए वैज्ञानिक खराब जीन काट सकते हैं, नए जीन जोड़ सकते हैं, जीन के व्यवहार को नियंत्रित कर सकते हैं। ये सब सहूलियतें उम्मीद जता रही हैं कि भविष्य में इंसान गंभीर बीमारियों जैसे कैंसर, थैलेसीमिया और जेनेटिक डिसऑर्डर से पार पाने में सफल रहेगा। एजिंग के प्रभाव को धीमा किया जा सकता है, बालों के झड़ने को रोका जा सकता है, त्वचा को युवा बनाए रखने की स्थायी तरकीब ढूंढ़ी जा सकती है। लब्बोलुआब यह कि सिर्फ सुंदरता बढ़ाने के लिए नहीं बल्कि जीवन को गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए, जीन एडिटिंग की कवायद लगातार जारी है।

एआई और पर्सनलाइज्ड ब्यूटी

एआई आधारित सिस्टम के जरिए अब हम यह जान सकते हैं कि किसी व्यक्ति की त्वचा कितनी बूढ़ी है और वह किस रफ्तार से बूढ़ी हो रही है? वास्तव में इस सारी जानकारी को पर्सनलाइज्ड ब्यूटी प्लान के नाम से जानते हैं और इस प्लान के अस्तित्व में आने के बाद अब अलग-अलग इंसानों का स्वतंत्र रूप से खूबसूरत और स्वस्थ होना ज्यादा आसान और गारंटीड हुआ है। वैज्ञानिकों को भरोसा है कि अब खूबसूरती का स्थायी समाधान हासिल करने में बहुत देर नहीं है। *

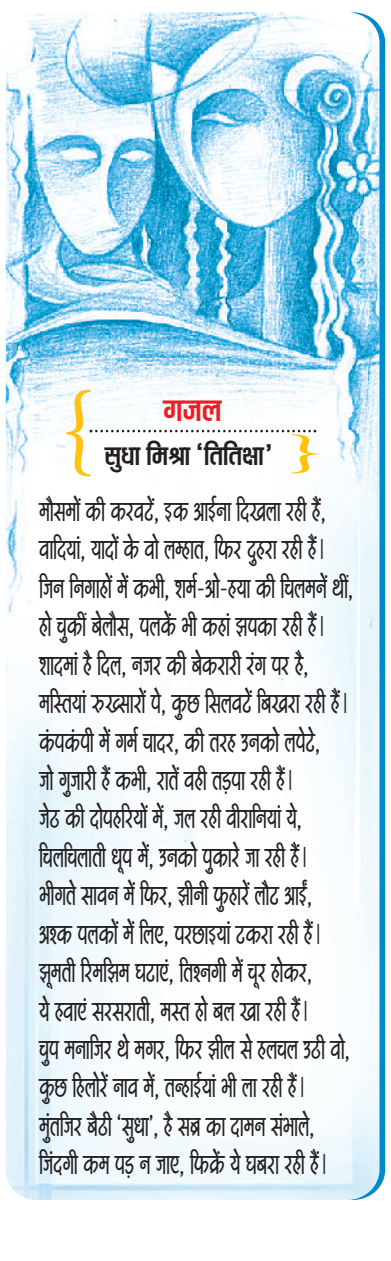

{ गजल / सुधा मिश्रा 'तितिक्षा' }

मौसमों की करवटें, इक आईना दिखला रही हैं,
वादियां, यादों के वो लम्हात, फिर दुहरा रही हैं।
जिन निगाहों में कभी, शर्म-ओ-हया की थिलमनें थीं,
हो चुकीं बेलौस, पलकें भी कहां झपका रही हैं।
शादमां है दिल, नजर की बेकरारी रंग पर है,
मस्तियां रुख्सारों पे, कुछ सिलवटें बिखरा रही हैं।
कंपकंपी में गर्म चादर, की तरह उनको लपेटे,
जो गुजारी हैं कभी, रातें वही तड़पा रही हैं।
जेठ की दोपहरियों में, जल रही वीरानियां ये,
चिलचिलाती धूप में, उनको पुकारे जा रही हैं।
भीगते सावन में फिर, ज़ीनी फुहारें लौट आईं,
अश्क पलकों में लिए, परछाइयां टकरा रही हैं।
झूमती रिमझिम घटाएं, तिश्नगी में चूर होकर,
ये ख्वाएं सरसराती, मस्त हो बल खा रही हैं।
चुप मनाजिर थे मगर, फिर झील से हलचल उठी वो,
कुछ हिलोरें नाव में, तन्हाईयां भी ला रही हैं।
मुंतजिर बैठी 'सुधा', है सब्र का दामन संभाले,
जिंदगी कम पड़ न जाए, फिक्रें ये घबरा रही हैं।

{ स्मरण / अरविंद कुमार }

सभी करते थे बाबू जी का सम्मान

हिंदी के प्रख्यात कथाकार अमरकांत जी का यह जन्मशती वर्ष है। उनकी कहानियों और उपन्यासों से तो अधिकांश साहित्यप्रेमी परिचित हैं ही, पर उनके व्यक्तित्व और स्वभाव में उपस्थित सदाशयता, विनम्रता के बारे में लोग कम ही जानते हैं। उनके सुपुत्र अरविंद कुमार ने अपने पिता से जुड़ी कुछ भावभीनी स्मृतियां **हरिभूमि** से साझा कीं। दुर्भाग्य से कुछ माह पूर्व अरविंद जी का निधन हो गया।

बाबू जी (अमरकांत जी) सपरिवार लखनऊ से जब करेलाबाग कॉलोनी (इलाहाबाद अब प्रयागराज) में आकर रहने लगे तो वहां एक अलग माहौल देखने को मिला। इस कॉलोनी में पांच सौ चार क्वार्टर्स हुआ करते थे, जिसमें हिंदू, मुसलमान, सिख और ईसाई सभी रहा करते। वहां बहुत ही सुखद सामाजिक रिश्तों का ताना-बाना, सौहार्दपूर्ण वातावरण देखने को मिला। हर तरफ हरियाली एवं सांस्कृतिक परिवेश का माहौल था। हमारे क्वार्टर के ठीक सामने एक बड़ा अमलतास का पेड़ था। गर्मियों में इसके फूल खिलते तो ऐसा महसूस होता था, जैसे पेड़ पीले गहनों से सजा हुआ है, एक बार नामवर सिंह जी दो-चार लोगों के साथ आए तो इस स्थान ने उन्हें अभिभूत कर दिया, वे बोले, 'अमरकांत जी हम लोग इसी मनोरम जगह पर बैठेंगे। सुबह का समय, यहां की अनुभूति कैसी होती है, महसूस किया जाए।' दरअसल, पेड़ों पर तरह-तरह के पक्षियों का आवागमन, उनका कलरव मोहक लगता। इसीलिए आने वाले लोगों को यह स्थान मनोरम लगता।

कॉलोनी के बाहर की एक सड़क (नूर उल्लाह रोड, जो स्टेशन से सीधी करेली गांव तक जाती) पर मिस्टर रफी अहमद नाम के व्यक्ति का प्रेस एवं पेपर कटिंग मशीन लगी थी। इस स्थान पर रोजाना दो खेल शतरंज एवं कैरम सायं सात बजे से रात्रि बारह बजे तक नियम से खेला जाता। रफी साहब का बाबू जी से बहुत अच्छा संबंध था। बाबू जी को भी उक्त दोनों खेल पसंद थे। शनिवार के दिन अकसर वहां उनका इंतजार रहता। बगल के मोहल्ला रसूलपुर से भी शतरंज और कैरम में रुचि रखने वाले कुछ लोग आते, जिसमें दो नाम खासतौर पर मुझे याद हैं एक बहार आलम, जो पेशे से वकील, साहित्य कला में भी दिलचस्पी रखते थे। और उनके छोटे भाई नन्हे पहलवान भी उनके साथ आया करते थे। एक रोज की बात है, मां ने मुझसे कहा, 'रात अधिक हो गई है। रफी अहमद के यहां जाकर देखो बाबू जी अभी आए क्यों नहीं?' मैं कुछ ही समय पश्चात वहां पहुंच गया। खेल में बड़ी खामोशी थी। शतरंज की अंतिम बाजी पर लोगों की निगाहें गड़ी हुई थीं। कई शोहरतमंद गणमान्य व्यक्तियों की मौजूदगी में खेल हो रहा था। उर्दू अनुवादक हुनर साहब, स्थानीय विधायक हबीब अहमद आपस में बाजी लगा बैठे थे। बाबू जी की दूसरी तरफ खिलाड़ी बहार आलम थे। पंद्रह मिनट का समय लगा, बाजी बाबू जी ने अपने पक्ष में कर ली। सभी बाबू जी को बधाई देने लगे। पर वे बहार आलम के खेल की सराहना करते जा रहे थे, 'बहुत अच्छा खेला आपने।' बाबूजी का स्वभाव ऐसा ही था, उनमें दंभ जरा भी नहीं था।

बाबूजी से जुड़ी एक और स्मृति याद आ रही है। अक्टूबर 1987 का दिन, वे गंभीर रूप से बीमार पड़े। वे मेटाबॉलिक बोन डिजीज से ग्रसित हो गए। उन्हें स्पाइनल कॉर्ड में इंफेक्शन हो गया था। प्रारंभ में कई डॉक्टरों से संपर्क किया गया, डॉक्टरों ने जॉगिंग और एक्सरसाइज करने की सलाह दी। उन्हें पेनकिलर के सहारे मुक्त कर दिया गया। समस्या यह हो गई कि उन्हें कोई भी खान-पान की चीज अच्छी नहीं लग रही थी और उनके बैक बोन में असहनीय दर्द था। मेडिकल कॉलेज के हड्डी के एक्सपर्ट डॉक्टरों ने कहा,'घबराने की बात नहीं है उम्र का तकाजा है।' जबकि ऐसी भी उम्र नहीं थी कि उस पर दोष मढ़ा जाए। बहरहाल, वे घर आ गए। मगर समस्या जस की तस बनी रही।

वे उन दिनों महिलाओं की पत्रिका 'मनोरमा' का संपादन कर रहे थे, किंतु स्वास्थ्य की वजह से असमर्थ हो गए थे। इसकी जानकारी डॉ. शांति चौधरी जी को हुई तो वे भागे-भागे घर पर आईं और पूरी जानकारी ली। उन्होंने अगले दिन इलाहाबाद मेडिकल कॉलेज में वीआईपी वार्ड बुक करवाया। सभी चेकअप हुए। जानकारी मिली कि बाबू जी का हीमोग्लोबिन चार प्रतिशत पर आ गया है, जोकि बहुत ही चिंताजनक था। नामी विशेषज्ञ डॉक्टर ने देखा। बाबू जी दो दिन अस्पताल में रहकर वापस घर आ गए। शांति चौधरी जी, बाबू जी को पिता तुल्य मानती थीं। हम लोगों का उनसे बहुत आत्मीय रिश्ता रहा है। वह 'मनोरमा' से विशेष कार्याधिकारी के रूप में जुड़ी थीं और इलाहाबाद मेडिकल कॉलेज में पीआरओ के पद पर थीं।

कुछ दिनों तक जब बाबू जी की सेहत में कोई सुधार नहीं हुआ तो चिंता हुई। तभी उन्हें देखने के लिए एस. के. दुबे आए जो टाइम्स ऑफ इंडिया के ब्यूरो चीफ थे। उन्होंने बताया डॉ. आर. सी. गुप्ता ऑस्ट्रेलिया से आ गए हैं, एक बार उन्हें बाबू जी को दिखाया जाएगा। उस समय रात्रि के आठ बजे हुए थे। लेकिन मुझे दूसरे दिन पर न टालकर रात्रि में ही ले जाना उचित लगा।

क्लीनिक बंद होने का समय रात्रि नौ बजे तक था। हम लोग पौने नौ बजे अस्पताल पहुंच गए। काउंटर बंद हो रहा था। डॉक्टर के असिस्टेंट डॉ. ए. के. सिंह ने बताया कि आप फीस जल्दी जमा कर दें, डॉ. साहब उठने वाले हैं। तभी डॉ. आर. सी. गुप्ता हम लोगों के समीप आए। उनकी पोशाक, पैर में खड़ाऊ और खद्दर का कुर्ता-पाजामा। पूछा, 'इन्हें क्या हो गया?' मैंने सभी बातें बताईं। उन्होंने असिस्टेंट डॉ. सिंह से कहा कि उस जगह का एक्स-रे करें जहां दर्द है। मैंने बताया प्रेस में जॉब करते हैं। फिर उनका सवाल था खड़े होकर काम करते हैं या बैठकर? मैंने कहा, 'बैठकर ही करते हैं।'

डॉक्टर गुप्ता ने पूछा, 'प्रेस कहां पर है?' जब मैंने प्रेस का नाम बताया, तो बोले, 'अरे यह प्रेस तो बहुत बड़ा है। यहां से तो पांच-छह मशहूर पत्रिकाएं निकलती हैं माया, मनोरमा, सत्यकथा, मनोहर कहानियां, प्रोब इंडिया। मनोरमा के संपादक तुम्हारे पिता के नाम वाले ही हैं, उनका नाम अमरकांत है, मगर वह बड़े राइटर हैं।'

मैंने जब उनसे कहा कि वे यही हैं। इस पर पहले तो डॉक्टर साहब मुझे कुछ सेकेंड एकटक देखते रहे फिर उठकर एक्स-रे रूम में गए। कुछ सेकेंड में डॉक्टर ए. के. सिंह जी बाहर आए और रसीद काउंटर रूम में गए। मेरे जमा किए गए पैसे लाकर विनम्रतापूर्वक मुझे दे दिए। बोले, 'डॉक्टर साहब ने पैसे वापस करने के लिए कहा है।' डॉक्टर आर. सी. गुप्ता पंद्रह-बीस मिनट में अपने चैंबर में वापस आ गए, बोले, 'जो मुझे शक था वही निकला।' उन्होंने अपने क्लीनिक से पूरे एक माह की दवा मुझे दी। मैं पैसे निकालने लगा, तो मना कर दिया, फिर बोले 'इनका पूरा इलाज मैं करूंगा। आपको कोई तनाव नहीं लेना है। मैं आपके साथ हूं। मुझे अमरकांत जी की सेवा करने का मौका मिला, मेरा सौभाग्य है। मैं कमिश्नर, मंत्री के घर नहीं जाता हूं, लेकिन मैं आपके घर नियमित आकर इनको देखूंगा। अस्पताल आने की जरूरत नहीं है, घर पर ही सभी इंतजाम करवा दूंगा।' उन्होंने सच में ऐसा ही किया। घर पर ही बाबू जी को ट्रैक्शन लगवाया, साथ ही कमर से लेकर छाती तक प्लास्टर भी करवाया। छह माह तक वे बाबू जी को देखने घर नियमित आते रहे, न कभी फीस लिया और दवा, इंजेक्शन के खर्च से भी मुक्त रखा। बाबू जी छह माह ट्रैक्शन, प्लास्टर और दवा पर रहे, सीधे लेटे रहते। मर्ज जरूर दूर हो गया किंतु स्पाइनल कॉर्ड डिफार्म हो गया। बाबू जी को कष्ट तो बहुत रहा लेकिन डॉक्टर आर. सी. गुप्ता जैसे लोगों का उनके प्रति आदर और प्रेम देखकर मैं अभिभूत हो जाता था। बाबू जी इतने बड़े लेखक-संपादक थे लेकिन उनका व्यक्तित्व इतना सरल रहता कि हर कोई उनका सम्मान करता था। *

सैर-सपाटा
अंशु सिंह

भारत के उत्तरपूर्व में छोटा सा प्रदेश है- सिक्किम। इसका एक तिहाई हिस्सा बायोस्फीयर रिजर्व और यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट है, जहां दुनिया की तीसरी सबसे ऊंची चोटी, माउंट कंचनजंगा स्थित है। यहां की संस्कृति मिली-जुली है। खाना अनोखा है, नजारे शानदार, सड़कें साफ-सुथरी और माहौल बहुत शांत है। कुछ समय पूर्व ही सिक्किम की यात्रा से लौटीं लेखिका इसकी खूबसूरती बयां कर रही हैं अपनी जुबानी।

जन्नत से कम नहीं सिक्किम

हालांकि देश के अलग-अलग हिस्से में यात्राएं तो मैंने कई की हैं। लेकिन अब तक देश के उत्तरी पूर्वी राज्यों में से कहीं जाना नहीं हुआ था। इसलिए जिस दिन सिक्किम यात्रा का प्लान फाइनल हुआ, उस दिन से मन में एक अलग-सा उल्लास भर गया था। दिल्ली से सिक्किम जाने के दो विकल्प थे- ट्रेन या हवाई जहाज। हमारे समूह ने ट्रेन से जाने का निर्णय लिया। दिल्ली से पहले पश्चिम बंगाल के नई जलपाईगुड़ी और फिर वहां से प्राइवेट कैब लेकर गंगटोक। यह यात्रा काफी दिलचस्प रही। पहाड़, जंगल, संग-संग बहती तीस्ता नदी और छोटे-छोटे गांव, कस्बों को पार करते हुए आखिरकार हम गंगटोक पहुंचे।

गंगटोक ने मोह लिया मन

हिमालय की गोद में बसा गंगटोक एक ऐसा स्थान है, जहां बादल पहाड़ों के साथ अठखेलियां करते हैं, तो नदियां अपनी ही धुन में गीत गाती बहती हैं। यह नजारा किसी जन्नत से कम नहीं लगता। जैसे ही सूरज की किरणें बर्फ से ढंकी चोटियों को चूमती हैं, नीचे हरी-भरी घाटियों पर सुनहरी आभा बिखर जाती है। अपने रंग-बिरंगे बौद्ध मठों, बाजारों और मोहक नजारों से सजा गंगटोक बेमिसाल है। सिक्किम की यह राजधानी दुनिया के कुछ सबसे शानदार बौद्ध मठों का घर है, जिसमें सबसे मशहूर मठ है रुमटेक मठ। गंगटोक से करीब 21 किमी दूर स्थित इस मठ के शांत माहौल में आप रम जाएंगे। इसके अलावा, बीच शहर में स्थित गोनजैंग मठ भी कम मनमोहक नहीं है। शहर के अन्य आकर्षणों में बानझाकरी वॉटरफॉल, ताशी व्यू प्वाइंट, गणेश टोक, हनुमान टोक, गैंगटोक रोप-वे राइड, हिमालयन जूलॉजिकल पार्क और ऑर्किडेरियम मुख्य हैं।

टेमी टी गार्डन से कंचनगंजा के दीदार

गंगटोक पहुंचने के दूसरे दिन, सुबह नाश्ता करके हम सभी पश्चिम सिक्किम के पेल्लिंग के लिए रवाना हुए, जो करीब 130 किमी. दूर था। हमारा पहला पड़ाव टेमी चाय बागान था। यह सिक्किम का एकमात्र टी गार्डन है, जहां ऑर्गेनिक चाय की पैदावार होती है। घुमावदार रास्तों से जब हमने इस गार्डन में प्रवेश किया, तो वहां की खूबसूरत छटा देखते ही रह गए। मौसम साफ था, तो वहां से कंचनजंगा चोटी के दीदार भी हुए। कुछ समय बिताने के पश्चात हम आगे बढ़े। शाम करीब 4.15 बजे हम पेल्लिंग स्थित अपने होम स्टे पर पहुंच गए। वहां सभी का स्थानीय रीति-रिवाज के अनुसार, स्वागत हुआ। लेकिन तब तक मौसम का रंग बदल चुका था। रिमझिम शुरू हो गई। अगली सुबह भी बारिश थमी नहीं। लेकिन नौ बजते-बजते आसमान साफ होने लगा। हम निकल पड़े पेल्लिंग की ओर।

पश्चिमी सिक्किम का नगीना-पेल्लिंग

पेल्लिंग एक शांत कस्बा है, जो करीब 7,050 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। यह प्रकृति प्रेमियों के लिए किसी स्वर्ग सरीखा है। हरी-भरी घाटियों, झर-झर गिरते झरनों और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के साथ यह इलाका सिक्किम के मूल स्वरूप को बेहद खूबसूरती से समेटे हुए है। यहां अकसर कोहरा और बादल छाए रहते हैं, जो इसकी अलौकिक सुंदरता को और भी बढ़ा देते हैं। यहां ट्रैकिंग, माउंटेन बाइकिंग, बर्ड वॉचिंग करने के अलावा, प्राचीन मठ, गोंपा और स्तूपों से लेकर यूनेस्को द्वारा घोषित विश्व धरोहर कंचनजंगा राष्ट्रीय उद्यान एवं पवित्र खेचेओपालरी झील की सैर कर सकते हैं। हमने कुछ चुनिंदा स्थानों पर जाना तय किया।

पेमायंगत्से मठः 17वीं सदी में स्थापित, सिक्किम के सबसे पुराने मठों में से एक पेमायंगत्से मठ में दुर्लभ कलाकृतियां देखने को मिलेंगे।

खेचेओपालरी झीलः बौद्ध और हिंदू धर्म में पूज्यनीय माने जाने वाले पवित्र खेचेओपालरी झील में एक अलग ही अनुभव होता है। मान्यता है कि मनोकामना पूर्ति करने वाली इस झील के शांत जल को गुरु पद्मसिन और देवी तारा का आशीर्वाद प्राप्त है।

सिडकियोंग बर्ड पार्कः पक्षी प्रेमियों के लिए पेल्लिंग और रबदंत्से के बीच एक खास आकर्षण का स्थल है- सिडकियोंग बर्ड पार्क, जो हिमालयी क्षेत्र में पाए जाने वाले देशी-विदेशी पक्षियों का घर है।

रिवर ऑरेंज गार्डनः रिंबी नदी के किनारे स्थित इस गार्डन में संतरे के बेशुमार पेड़ लगे हैं। ऑरेंज गार्डन के अंदर एक विलेज होमस्टे, कुछ दुकानें और रेस्टोरेंट भी हैं।

ग्लास स्काईवॉकः ग्लास स्काईवॉक पेल्लिंग के बेहद शानदार अनुभवों में से एक है। देश के इस पहले 'ग्लास स्काईवॉक' के अनुभव को भुलाया नहीं जा सकता, जो समुद्रतल से लगभग 7200 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। जब आप इसके पारदर्शी शीशे के फर्श पर कदम रखते हैं, तो हवा में चलने जैसा एहसास होता है। नीचे घाटी को देखते हुए रोमांचक अनुभव होने के साथ-साथ थोड़ी घबराहट भी होती है। लेकिन आस-पास के हरे-भरे नजारे और पूर्वी हिमालय के शानदार दृश्य मन को सुकून देते हैं। स्काईवॉक के समीप ही चार भुजाओं वाले चेनरेजिंग (अवलोकितेश्वर) की 137 फीट ऊंची मूर्ति भी स्थित है।

नामची में चार धाम के दिव्य दर्शन

पेल्लिंग में दो दिन बिताने के उपरांत हमारा अगला डेस्टिनेशन था, सिक्किम के दक्षिण में स्थित नामची। इसे राज्य का सांस्कृतिक और धार्मिक केंद्र कहते हैं। यहां हमने 'चार धाम' मंदिर के दर्शन किए। असल में यहां भारत के चार पवित्र मंदिरों- बद्रीनाथ, जगन्नाथ, द्वारका और रामेश्वरम की प्रतिकृतियां बनाई गई हैं। मंदिर परिसर में भगवान शिव की 108 फुट ऊंची प्रतिमा मुख्य आकर्षण का केंद्र है। समीप में एक भव्य साईं मंदिर भी है।

रावंगला का अलौकिक बुद्ध पार्क

नामची से जब हम रावंगला की ओर बढ़े, तो वहां हमें एक भव्य बुद्ध पार्क के दर्शन हुए, जिसे 'तथागत त्सल' के नाम से भी जाना जाता है। यहां शाक्यमुनि बुद्ध की 130 फुट ऊंची, अत्यंत सुंदर प्रतिमा स्थित है।

मनमोहक त्सोंगो झील

गंगटोक से लगभग 40 किलोमीटर दूर (गंगटोक-नाथुला हाइवे), 12,313 फीट की ऊंचाई पर स्थित त्सोंगो झील एक हिमनद झील है, जो अपने शानदार प्राकृतिक नजारों और गहरे सांस्कृतिक महत्व के लिए जानी जाती है। इसकी सतह

का रंग मौसम के अनुसार, बदलता रहता है। जैसे ही हम इसके करीब पहुंचे, वहां का नजारा कल्पना से भी परे था। चारों ओर बर्फ से ढंकी चोटियां और हरे-भरे घास के मैदान। यह किसी परी कथा से सीधे निकला हुआ दृश्य लग रहा था। हमने यहां न सिर्फ बर्फ में मस्ती, याक की सवारी की, बल्कि दुनिया के सबसे ऊंचे रोप-वे की रोमांचक यात्रा भी की।

लाचुंग की यादगार यात्रा

हमारा अगला पड़ाव अब सिक्किम का उत्तरी भाग था, जो क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा और अधिक रिमोट क्षेत्र है। गंगटोक से लाचुंग की दूरी करीब 102 किमी. है। सबसे पहले हमें मिला, सेवन सिस्टर्स वॉटरफॉल्स। इस झरने में सात सीढ़ियां या चरण हैं, इसलिए इसका यह नाम पड़ा। यहां कुछ देर ठहरने के पश्चात हम आगे बढ़े, तो अगला पड़ाव लाचुंग में प्रवेश का चेक प्वाइंट था। लाचुंग में हमने रात में होटल में विश्राम किया और अगले दिन सुबह-सुबह युमथांग घाटी और जीरो प्वाइंट के लिए निकले।

परीलोक जैसा युमथांग घाटी

11,800 फीट से ज्यादा की ऊंचाई पर बसा युमथांग घाटी किसी परीलोक जैसा लगा। अल्पाइन घास के सुंदर मैदान, चारों ओर बर्फ से ढंकी चोटियां, गर्म पानी के झरने और साथ में बहती लाचुंग नदी। इसे फूलों की घाटी भी कहते हैं। यहां खासकर रोडोडेंड्रोन के फूल खिलते हैं, जो वैली को गुलाबी, लाल और बैंगनी रंगों से रंग देते हैं।

धरती का वंडरलैंड जीरो प्वाइंट

युमथांग घाटी के सर्पीले रास्तों से गुजरते हुए हमारा साक्षात्कार धरती पर एक अलग ही दुनिया से होता है, जिसे 'जीरो प्वाइंट' (या युमेसमडोंग) कहते हैं। उत्तरी सिक्किम में 15,300 फीट की ऊंचाई पर भारत-चीन सीमा के पास स्थित यह एक सफेद वंडरलैंड है। यहां ऑक्सीजन की मात्रा कम होती है, तो आपको नीचे से ही पोर्टेबल ऑक्सीजन कैन लेकर आना होता है। जीरो प्वाइंट पर सिर्फ भारतीय सैलानी ही आ सकते हैं। उन्हें सिक्किम टूरिज्म डिपार्टमेंट से प्रोटेक्टेड एरिया परमिट की जरूरत पड़ती है, जो रजिस्टर्ड टूर ऑपरेटर के जरिए एडवांस में लेना होता है। *

कब जाएं : सिक्किम जाने का बेस्ट टाइम है मार्च से मई का महीना। इसके अलावा अक्टूबर से दिसंबर के मध्य तक यहां जा सकते हैं। यूं कहें कि मानसून से पहले यहां कभी भी जा सकते हैं।

कैसे जाएं : आमतौर पर सैलानी पश्चिम बंगाल के बागडोगरा तक हवाई यात्रा करते हैं और वहां से कैब के जरिए गंगटोक जाते हैं। आगे की यात्रा भी सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त टूर ऑपरेटर के कैब या टैक्सी से करते हैं। बागडोगरा के अलावा, गंगटोक से 35 किमी दूर स्पेशल पाकयोंग एयरपोर्ट भी है। ट्रेन से आप सिलिगुड़ी या न्यू जलपाईगुड़ी तक पहुंच सकते हैं और वहां से कैब से गंगटोक जा सकते हैं।

परफ्यूम-डिओड्रेंट से मिले फ्रेश फील

सीजनल ट्रेंड / विवेक कुमार

गर्मी के मौसम में युवाओं की लाइफस्टाइल में कई तरह के बदलाव देखने को मिलते हैं। उनके ड्रेस कलर हल्के हो जाते हैं। फुटवियर कंफर्टेबल और पसीना सोखने वाले पहनने लगते हैं। स्किन केयर प्रोडक्ट्स की संख्या बढ़ जाती है और इन सब चीजों के साथ ही शामिल हो जाता है डिओड्रेंट और परफ्यूम।

बढ़ा है ट्रेंडः एक जमाना था, जब केवल खास मौकों पर ही परफ्यूम, डिओड्रेंट आदि का इस्तेमाल किया जाता था। लेकिन आज के युवाओं की डेली लाइफस्टाइल के लिए ये जरूरी चीजें बन गई हैं, क्योंकि अब खुशबू केवल सौंदर्य का विषय नहीं बल्कि आत्मविश्वास और व्यक्तित्व का भी हिस्सा है। इसलिए कॉलेज से लेकर सोशल गेदरिंग और दफ्तर तक में परफ्यूम, डिओड्रेंट का चलन बहुत बढ़ गया है।

गर्मियों में इसलिए भी है जरूरीः गर्मियों में शरीर से पसीना बहुत निकलता है। इस कारण शरीर में बैक्टीरिया तेजी से सक्रिय होते हैं और शरीर से दुर्गंध आने लगती है। यंगस्टर्स सबसे ज्यादा भागदौड़ करते हैं और बहुत सारे लोगों से मिलते-जुलते हैं। ऐसे में शरीर से अच्छी खुशबू आना और फ्रेश फील करना, जरूरी हो जाता है। यही वजह है कि गर्मी के मौसम में डिओड्रेंट और परफ्यूम युवाओं के लिए सबसे जरूरी एसेसरीज बन जाती हैं।

बदल रही है च्वॉइसः फ्रेगरेंस की बात करें तो पहले के जमाने में लोग सिट्रस, एक्वा, मिंट, फ्लोरल नोट्स वाले परफ्यूम इस्तेमाल किया करते थे। जबकि लड़कियां बॉडी मिस्ट और हल्के फ्रूटी परफ्यूम पसंद करती थीं। लेकिन आजकल

स्पोर्टी और मस्क फ्रेगरेंस का चलन बढ़ा है।

बढ़ी है डिमांड-सप्लाईः कुछ दशक पहले के युवाओं के मुकाबले आज के युवाओं की अर्निंग और परचेजिंग पावर बढ़ी है। जो टीनएजर अपने मम्मी-पापा पर पॉकेटमनी के लिए डिपेंड हैं, उनकी पॉकेटमनी भी पहले से काफी ज्यादा बढ़ गई है। इस कारण भी बाजार में परफ्यूम और डिओड्रेंट जैसी एसेसरीज की भरमार हो गई है। अब केवल बड़े ब्रांड ही नहीं बल्कि कई भारतीय स्टार्टअप भी युवाओं को ध्यान में रखकर नए-नए प्रोडक्ट्स लांच कर रहे हैं। मसलन, पॉकेट परफ्यूम, मिनी रोल-ऑन, एल्कोहल फ्री डिओड्रेंट आदि तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। *

सिने ट्रेंड
डी. जे. नंदन

फिल्मों में कितना इफेक्टिव है स्पीड-एडवेंचर का जादू

आज की दौड़ती-भागती जिंदगी जी रहे लोग, खासकर यंगस्टर्स, मनोरंजन के लिए देखी जाने वाली फिल्मों में भी 'स्पीड' यानी तेजी से भागती कहानी पसंद करते हैं। हालांकि कई फिल्में इसकी अपवाद भी रही हैं। फिल्मों में स्पीड और एडवेंचर के सक्सेस से रिलेशन पर एक नजर।

आज का दर्शक ठहराव नहीं, स्पीड चाहता है।' यह धारणा इन दिनों फिल्म जगत में किसी सूत्रवाक्य की तरह हर तरफ गूंज रही है। कहा जा रहा है कि मोबाइल स्क्रीन, रील कल्चर और लगातार बदलती डिजिटल दुनिया ने युवाओं को इतना धैर्यहीन बना दिया है कि अब वह उन्हीं फिल्मों को देख सकते हैं या देखते हैं, जो शुरुआती 10 मिनटों में ही दर्शकों को खुद से जोड़ ले। हर कुछ देर में चौकाएं और कहानी में बिना कोई ठहराव आए, वह लगातार आगे बढ़ती रहे। इसके लिए फिल्मों में तेज एडिटिंग, छोटे दृश्य, लगातार ट्विस्ट और ऊंची भावनात्मक उत्तेजना का चलन बढ़ा है। कुल मिलाकर यह 'हाई इंगेजिंग' ड्रामा का दौर है।

दर्शकों को चाहिए अटैचमेंट हुकः इसमें कोई दो राय नहीं है कि आज का युवा दर्शक शुरू से ही फिल्मों में 'अटैचमेंट हुक' चाहता है। उसमें यह आदत हाल के सालों में विकसित हुई रील कल्चर और विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म ने ही लगाई है, क्योंकि आज के युवा आमतौर पर दिन के तीन से चार घंटे, छोटे वीडियो और तेज रफ्तार सूचनाओं के घेरे में रहते हैं। लगातार बदलती विजुअल एक्साइटमेंट के बीच रहने के कारण उनके स्वभाव में तेजी को लेकर पसंदगी बढ़ी है। बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में भी कुछ इस तरह से हाइप बन गई है कि अगर कहानी देर तक एक ही वातावरण में टिकी रही तो दर्शकों, विशेषकर युवाओं का ध्यान उचट जाएगा और वो फिल्म को नकारा देंगे।

इन फिल्मों ने सेट किया नया ट्रेंडः अब बॉलीवुड ट्रेंड के जानकारों और फिल्म मेकर्स के लिए सफलता का अलिखित सिद्धांत बन चुका है कि युवा दर्शकों को फिल्मों में शुरू से ही बांधकर रखो। किसी बड़े हादसे के जरिए, किसी उलझाऊ रहस्य के जरिए या अंधाधुंध हिंसा अथवा विस्फोट के जरिए। बहरहाल, यह राय बनाने या यूं कहें कि यह ट्रेंड सेट करने में हाल के वर्षों में आई 'जवान' और 'एनिमल' जैसी फिल्मों की बड़ी भूमिका है। क्योंकि इन फिल्मों में तेज रफ्तारी का सिद्धांत ही सबसे ज्यादा मजबूती से खड़ा दिखाई देता है। इन फिल्मों की सफलता और फिर हाल में आई 'धुरंधर-1', 'धुरंधर-2', की सफलता ने ही तेज रफ्तार वाली फिल्मों के लिए माहौल बनाया है। ट्विस्ट और टर्न्स से भरी इन इन सभी फिल्मों में बड़ी तेजी से थोड़ी-थोड़ी देर में दृश्य बदलते हैं।

इमोशनल इंगेजिंग फिल्में भी हुईं सफलः फिल्मों की स्पीड को लेकर सवाल यह भी उठता है कि क्या सचमुच आज का युवा दर्शक सिर्फ तेज रफ्तार फिल्मों का दीवाना है? अगर ऐसा ही होता तो भला '12वीं फेल' और 'लापता लेडीज' जैसी धीमी रफ्तार वाली फिल्मों को युवाओं ने इतना क्यों पसंद किया? दरअसल, बहस सिर्फ स्पीड की नहीं इंगेजमेंट की है। आज का युवा दर्शक वाकई कहानी में अनावश्यक खिंचाव नहीं चाहता, लेकिन इसका मतलब यह भी नहीं है कि वह भावनात्मक गहराई को समझता नहीं या उसे पसंद नहीं करता। जब भी ऐसी फिल्में आती हैं, जिनमें भावनात्मक गहराई मौजूद होती है, तो फिर वह उन्हें निश्चित रूप से पसंद करता है। '12वीं फेल' और 'लापता लेडीज' जैसी फिल्मों का कथानक भी महानगरों से दूर ग्रामीण परिवेश का था, फिर भी ये दोनों फिल्में खासकर युवा दर्शकों द्वारा खूब पसंद की गईं, तो इसका मतलब यह है कि युवा दर्शक सिर्फ तेज स्पीड और हाई इंगेजिंग फिल्मों को ही पसंद नहीं करते बल्कि उन सभी फिल्मों को पसंद करता है, जो उनकी भावनाओं को स्पर्श करती हैं। आज के युवा दर्शक अच्छी कहानी पसंद करते हैं, चाहे वह तेज हो या फिर चाहे धीमी ही क्यों न हो।

पुरानी फिल्मों में नहीं था स्पीड का प्रेशरः पुराने जमाने की फिल्मों के पात्र आपस में देर तक बातचीत करते थे। खामोशी होती थी, तो वह भी कई बार इतनी लंबी होती थी कि दर्शक खुद खामोशी महसूस करने लगता था। इस तरह अगर इस स्पीड के पैमाने पर पुरानी फिल्मों को कसें तो कोई फिल्म ही नहीं हिट होनी चाहिए थी। लेकिन हम जानते हैं कि फिल्मों की सफलता की दर आज के मुकाबले पहले कहीं ज्यादा थी। यह अलग बात है कि आज के मुकाबले फिल्मों की कमाई बहुत कम थी। वास्तव में पेस (स्पीड) इन दिनों सच्चाई से कहीं ज्यादा एक फैशन की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है, जबकि सच यह है कि आज के दर्शक भी गहरे और इंटेंस कम रफ्तार के दृश्य भी खूब पसंद करते हैं।

स्पीड के अलावा भी हैं कई फैक्टर्सः आज का युवा दर्शक सिर्फ धीमेपन से बोर नहीं होता बल्कि बेसिर पैर के फिल्म के खिंचाव, बिना किसी वजह फिल्म को वल्गर बनाने की कोशिश और जबर्दस्ती फिल्मों में ठूंस दिए गए आइटम सॉन्ग जैसे एक्सपेरिमेंट्स से चिढ़ता है। उसे ऐसी फिल्में वाकई ज्यादा पसंद नहीं आतीं, जिनमें जानबूझकर लॉजिक की ऐसी-तैसी की गई हो। आज का दर्शक फिल्म के हर फ्रेम में चाहे वह जिस तरह की भावना का हो, इसमें हाई इंटेंसिटी की तलाश करता है। कुल मिलाकर कहने का मतलब यह है कि सवाल रफ्तार का नहीं, निरंतरता का है। अगर फिल्में दर्शक को लगातार मानसिक और भावनात्मक तरीके से जोड़े रखती हैं, तो वह धीमी होकर भी प्रभावशाली हो सकती हैं, यह कोई ब्रह्म वाक्य नहीं है कि आज का दर्शक स्पीड और हाई इंगेजिंग ट्विस्ट वाली फिल्में ही देखना चाहते हैं। वे केवल एंटरटेनमेंट चाहते हैं। *

रोचक
शिखर चंद जैन

इन दिनों फ्रूट मार्केट में तरह-तरह के आम खूब मिल रहे हैं। इनका स्वाद तो लाजवाब होता ही है, इनसे जुड़े अतीत के कुछ किस्से भी बड़े दिलचस्प हैं।

आम से जुड़े ये किस्से हैं बेहद खास

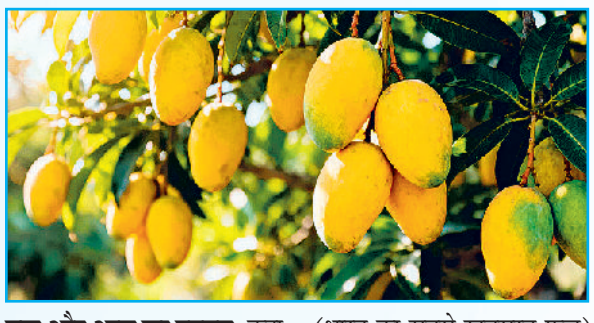

भारत में आम केवल एक फल नहीं, बल्कि संस्कृति, साहित्य इतिहास और राजनीति का एक अहम हिस्सा रहा है। सम्राटों से लेकर राजनेताओं और साहित्यकारों तक, आम की मिठास ने कई किस्सों को जन्म दिया है। हिंदी साहित्य में 'आम' न केवल फलों का राजा होने के कारण प्रसिद्ध है, बल्कि यह वसंत ऋतु, प्रेम, मादकता और कामदेव के प्रतीकों के रूप में भी बहुत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। प्राचीन संस्कृत साहित्य से लेकर आधुनिक हिंदी कविता और निबंधों तक, आम का बौर, उसकी खुशबू और मिठास कवियों और लेखकों की कल्पना का अभिन्न हिस्सा रही है। आम से जुड़े कुछ रोचक किस्से हैं, जो आज भी रस ले-लेकर सुने-सुनाए जाते हैं।

आम्रपाली और आम्रपाली आम का रिश्ताः बिहार की प्रसिद्ध नृत्यांगना और वैशाली की गणिका आम्रपाली, आम के पेड़ के नीचे शिशु रूप में मिली थी, इसलिए उसका नाम 'आम्रपाली' (आम के पत्ते) रखा गया। आम की एक लोकप्रिय किस्म 'आम्रपाली' का नामकरण उसी के नाम पर किया गया है।

बुद्ध और आम का उपवनः कहा जाता है कि आम्रपाली ने भगवान बुद्ध को अपने आम के बाग (आम्रवन) में आमंत्रित किया था और उन्हें वह बाग दान कर दिया था। आम्रपाली बाद में महात्मा बुद्ध की शिष्या बन गईं।

अमीर खुसरो का आम पर शेरः 13वीं सदी के महान कवि अमीर खुसरो ने फारसी में आम की प्रशंसा में कविताएं लिखी थीं। खुसरो ने आम को 'नगजा तरीन मेवाह हिंद' (भारत का सबसे खूबसूरत फल) कहा था।

अलाउद्दीन खिलजी की शाही दावत में आमः दिल्ली के सुल्तान रहे अलाउद्दीन खिलजी आम के दीवाने थे। कहा जाता है कि उन्होंने दिल्ली के 'कुश-ए-फिरोजी' में आम की कई किस्मों की एक शानदार दावत दी थी, जिसमें उन्होंने आम के साथ संगीत का शानदार कार्यक्रम आयोजित करवाया था।

आम का दीवाना बाबरः मुगल वंश के संस्थापक बाबर को आम इतना पसंद था कि उसने अपनी आत्मकथा 'तुजुक-ए-बाबरी' में आम का जिक्र किया है। कहा जाता है कि वह भारत में आम का स्वाद चखकर चकित रह गया था, क्योंकि यह फल मध्य एशिया के देशों में नहीं मिलता था।

अकबर का आम प्रेम और लाख बागः मुगल बादशाह अकबर आम का इतना शौकीन था कि उसने बिहार के दरभंगा में 1 लाख से अधिक आम के पेड़ों का बाग लगवाया था, जिसे 'लाखी बाग' कहा जाता था। उसने आम की कई उन्नत किस्मों को भी विकसित करने में सहायता दी थी।

मिर्जा गालिब की आम-दीवानगीः मशहूर शायर मिर्जा गालिब आम के बड़े दीवाने थे। वे कहते थे कि 'आम में बस दो ही खूबियां होनी चाहिए-वे मीठे हों और बहुत सारे हों।' एक किस्से के अनुसार, जब उनके दोस्त ने आम को नापसंद किया, तो गालिब ने नाराज होकर कहा था, 'गधे भी आम नहीं खाते।' *

भारत में हुई आम की उत्पत्तिः माना जाता है कि आम की उत्पत्ति दक्षिण-पूर्व एशिया और भारत में हुई, जहां 4000 वर्ष ईसा पूर्व हिंदू ग्रंथों में इस फल का उल्लेख मिलता है। बौद्ध भिक्षु भी इस फल की खेती करते थे। प्राचीन काल में बौद्ध भिक्षुओं और बाद में व्यापारियों तथा विदेशी यात्रियों के माध्यम से आम दक्षिण-पूर्व एशिया, मध्य पूर्व, अफ्रीका और अंततः दक्षिण अमेरिका तक पहुंचा।